Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In February 2019

पहल • यूनिवर्सिटी की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार के लिए विवि प्रशासन का फैसला, सभी विभागाध्यक्षों को आदेश जारी किए

जीजेयू में पॉल्यूशन कंट्रोल और कैंपस साफ रखने को प्लास्टिक बैन

50 पैसे का डिस्पोजल प्रयोग करने पर भी लगेगा 500 रुपये का जुर्माना

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू ने कैंपस को साफ-सुथरा रखने, पॉल्यूशन कंट्रोल व स्वच्छता रैंकिंग में सुधार के लिए प्लास्टिक से बनी चीजें और पॉलीथिन बैन करने का फैसला किया है। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने एक फरवरी से प्लास्टिक यूज पर पूरी तरह बैन लगा दिया है। इस बारे में कैंपस में प्रोक्टोरियल बोर्ड, लाइब्रेरियन, हॉस्टल वार्डन सहित सभी विभागाध्यक्षों को आदेश जारी किए हैं। साथ ही शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में दुकानों के संचालकों को भी इसका सख्ती से पालन करने को कहा है। फिलहाल यूनिवर्सिटी स्वच्छता रैंकिंग में भी अन्य यूनिवर्सिटी से पिछड़ी हुई है। ऐसे में सुधार के लिए यह कदम उठाया जा रहा है।

यूनिवर्सिटी प्रशासन ने कैंपस स्थित दुकानदारों सहित गर्ल्स हॉस्टल व चौधरी रणबीर सिंह सभागार स्थित कैंटीन द्वारा प्लास्टिक के गिलास, प्लेट, चम्मच, स्ट्रा सहित अन्य चीजों को बैन किया है। यदि कोई दुकानदार इन चीजों का उपयोग करेगा तो उस पर 500 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। विवि स्थित कैफेटेरिया, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में सभी शॉपकीपर्स को इस बारे में सख्त निर्देश दिए हैं। विवि ने सख्त कदम उठाते हुए जुर्माने लगाने के आदेश दिए हैं। इस नियम को सख्ती से लागू करने के लिए विवि प्रशासन की ओर से यूनिवर्सिटी स्थित कैफेटेरिया व शॉपिंग कॉम्प्लेक्स स्थित दुकानों पर समय-समय पर इंस्पेक्शन भी की जाएगी। अगर कोई दुकानदार नियमों का पालन नहीं करेगा तो उस पर जुर्माना लगाने के साथ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शहर में बैन है पॉलीथिन

सरकार की ओर से भी पॉल्यूशन कंट्रोल के लिए पॉलीथिन को बैन किया है। इसके लिए समय-समय पर दुकानों पर पॉलीथिन का प्रयोग रोकने के लिए छापेमारी भी की जाती है। पॉलीथिन यूज पर जुर्माने का भी प्रावधान किया है।

यूनिवर्सिटी में पांच हजार से अधिक स्टूडेंट्स कर रहे स्टडी

जीजेयू में पांच हजार से अधिक स्टूडेंट्स विभिन्न कोर्सेस में स्टडी कर रहे हैं। वहीं 50 के करीब विदेशी स्टूडेंट्स भी यूनिवर्सिटी में है। स्टूडेंट्स को अच्छा वातावरण देने व देश सहित विदेशों में जीजेयू की डिमांड बढ़ाने के उद्देश्य से भी यह विवि में प्लास्टिक की चीजों को बैन करने का फैसला किया है।

प्लास्टिक से बनी चीजों से नुकसान

प्लास्टिक से बनी चीजों से जीव-जन्तुओं सहित मानव जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। शोधकर्ताओं का मानना है कि प्लास्टिक के गिलास में चाय पीना हानिकारक होता है। भारत में सबसे ज्यादा प्लास्टिक की बनी चीजों का इस्तेमाल होता है। प्लास्टिक के डिस्पोजेबल में गरम चीजों को खाते-पीते हैं, जो सेहत को नुकसान पहुंचाता है। प्लास्टिक से निर्मित वस्तुओं के उपयोग से कैंसर होने की संभावना 90 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।

स्टील के बर्तन यूज करेंगे

यूनिवर्सिटी में प्लास्टिक से बनी चीजें बैन करने के बाद विभिन्न प्रकार की नेशनल-इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस व विभिन्न प्रकार की वर्कशॉप या अन्य समारोह के लिए कांच व स्टील के बर्तन प्रयोग किए जाएंगे। -डॉ. अनिल कुमार पुंडीर, रजिस्ट्रार, जीजेयू।

दैनिक भास्कर- 2-2-19

तैयारी • जीजेयू में कम्प्यूटेशनल सिस्टम बायोलॉजी एंड बायोइनफॉर्मेटिक्स विषय पर नेशनल कॉन्फ्रेंस 25-26 फरवरी को होगी

देशभर के साइंटिस्ट जीजेयू में 200 स्टूडेंट्स को देंगे ट्रेनिंग

सुभाष चंद्र | हिसार

किसी पौधे के जीन्स में कैसे परिवर्तन कर सकते हैं या पौधों में बीमारी के लिए कौन से जीन्स उत्तरदायी हैं तथा इनसे संबंधित सूचनाओं का एनालिसिस कैसे कर सकते हैं। इन सब बातों के बारे में जीजेयू में 25-26 फरवरी को जानकारी मिल सकेगी। मौका होगा कम्प्यूटेशनल सिस्टम बायोलॉजी एंड बायोइनफॉर्मेटिक्स विषय पर नेशनल कॉन्फ्रेंस का। इसमें देश के मुख्य शिक्षण संस्थानों जैसे बेंगलुरु, मुंबई, लखनऊ, आईटीआई व दिल्ली यूनिवर्सिटी के साइंटिस्ट करीब 200 रिसर्च स्कॉलर्स व स्टूडेंट्स को ट्रेनिंग देंगे। यह कॉन्फ्रेंस सरकार के बीआईएफ प्रोग्राम के तहत डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की ओर से स्पांसर है। इसके लिए जीजेयू को प्रतिवर्ष 15 लाख का बजट भी जारी किया जाता है। जीजेयू में भी इसी वर्ष बायो एंड नैनो टेक्नोलॉजी विभाग में डीबीटी सेंटर शुरू किया गया था।

कॉन्फ्रेंस में होगी इन चीजों की ट्रेनिंग

क्या होता है बायोइनफॉर्मेटिक्स के क्षेत्र में

जैव सूचना विज्ञान (बायोइनफोर्मेटिक्स) जीव विज्ञान का एक नया क्षेत्र है। इसके अंतर्गत जैव सूचना को एकत्रित करना, इसका भंडारण, संस्थापन, विश्लेषण, वितरण, व्याख्यान आदि कार्य आते हैं। इस कार्य में जीव विज्ञान, सूचना तकनीक व गणित की तकनीक उपयोग की जाती हैं। यह कंप्यूटर और सूचना तकनीक विज्ञान का मेल है, इसके माध्यम से किसी पौधे के जीन्स में कैसे परिवर्तन कर सकते हैं, जानलेवा बीमारी के लिए उत्तरदायी जीन्स समूह का पता करना आदि।

इग डिजाइन व इग डिस्कवरी के बारे में सीखेंगे

जीजेयू के बायो एंड नैनो टेक्नोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. विनोद छोकर ने बताया कि दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस में कम्प्यूटर की पेटर्न रिकॉग्नीशन, डाटा माइनिंग, मशीन लर्निंग व विजुलाइजेशन से संबंधित एप्लिकेशंस का प्रयोग कैसे किया जाए। इन बातों के बारे में प्रतिभागियों को ट्रेनिंग दी जाएगी। ट्रेनिंग में जीन खोजना, जिनोम असेंबली, इग डिजाइन, इग डिस्कवरी, प्रोटीन स्ट्रक्चर अलाइनमेंट, प्रोटीन स्ट्रक्चर प्रिडिक्शन आदि के बारे में भी बताया जाएगा। बायोइन्फर्मेटिक्स व कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी मोलिक्युलर बायोलॉजी के क्षेत्र में सूचना टेक्नोलॉजी का प्रयोग व बायोलॉजिकल डाटा प्रबंधन कम्प्यूटर से बायोलॉजिकल आंकड़ों के संकलन, भंडारण, विश्लेषण व संयोजन के बारे में भी सीखने का मौका मिलेगा।

यह है उद्देश्य

- छात्रों को बायोलॉजी व बायो इनफॉर्मेटिक्स कम्प्यूटेशनल सिस्टम के नए क्षेत्र के प्रति जागरूक करना।
- बायोइनफॉर्मेटिक्स के क्षेत्र में उपकरणों व नई तकनीक का इस्तेमाल करने के लिए।
- साइंटिस्ट्स द्वारा नई रिसर्च की जानकारी व भविष्य में होने वाले बदलावों के लिए ट्रेनिंग देना।
- रिसर्च के लिए आधुनिक उपकरणों पर अवधारणा कौशल का प्रदर्शन करना।

दैनिक भास्कर- 4/2/19

उद्घाटन

शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर श्रीनगर से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की लांचिंग

जीजेयू में पं. दीनदयाल इनोवेशन ऐंड इनक्युबेशन सेंटर की शुरुआत

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इनक्युबेशन सेंटर की डिजिटल लांचिंग शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर श्रीनगर से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये की गई।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इनक्युबेशन सेंटर की स्थापना राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान से प्राप्त हुए 15 करोड़ रूपये के अनुदान से की गई है। लांचिंग समारोह विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में हुआ। इस दौरान विधायक डॉ.कमल गुप्ता, कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, मेयर गौतम सरदाना, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. जगबीर सिंह, कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर व भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र पूनिया भी उपस्थित रहे। इस दौरान विधायक डॉ.कमल गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थियों को नौकरियों को तलाशने वाला

लांचिंग के बाद उद्घाटन करते विधायक डॉ. कमल गुप्ता, मेयर गौतम सरदाना व अन्य।

मेक इन इंडिया जैसे अभियान को सार्थक करेगा सेंटर

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनक्युबेशन सेंटर शोध तथा आविष्कार के क्षेत्र में मिल का पत्थर साबित होगा। यह सेंटर हरियाणा तथा भारत सरकार के मेक इन इंडिया तथा स्टार्ट-अप जैसे अभियानों को सार्थक करेगा। उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि विद्यार्थी अपने आइडियाज को मार्केटेबल आइडियाज में परिवर्तित करें तथा रोजगार के अवसर सृजित करें। सही दिशा में रखा गया कदम एक विद्यार्थी को उद्यमियता की ओर ले जाता है। उन्होंने स्विटजरलैंड तथा स्वीडन जैसे देशों का उदाहरण देते हुए बताया कि उन देशों के पास बहुत अधिक मात्रा में प्राकृतिक संसाधन नहीं है। इसके बावजूद शोध तथा आविष्कार के दम पर ये देश विकसित देशों की श्रेणी में खड़े हैं तथा इनके नागरिकों का जीवन स्तर अत्यंत उच्च स्तर का है।

नहीं बनना चाहिए, बल्कि नौकरियां देने वाला बनना चाहिए। विद्यार्थियों को इनोवेशन मंत्र अपनाना चाहिए। कोई भी राष्ट्र शोध व आविष्कार में ही आगे बढ़ सकता है। उन्होंने फोटोग्राफी कैमरे का उदाहरण देते हुए बताया कि इस कैमरे की विकसित तकनीकों ने आज चिकित्सा क्षेत्र में भी क्रांति ला दी है। डॉ. गुप्ता ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय के महान दृष्टिकोण तथा उनके जीवन चरित्र के बारे में बताया तथा कहा कि हम तभी सुखी रह सकते हैं जब भारत का हर व्यक्ति सुखी हो।

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत मिले 50 करोड़ रुपये

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने बताया कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत कुल 50 करोड़ रूपये का अनुदान स्वीकृत हुआ है। इससे विश्वविद्यालय के करीब पांच हजार विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। इस मौके पर यूनिवर्सिटी कंप्यूटर एंड इंफोर्मेटिक्स सेंटर के निदेशक मुकेश अरोड़ा सहित विश्वविद्यालय के संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

अमर उजाला- 4/2/19

कार्यक्रम • कुलसचिव ने किया कार्यशाला का उद्घाटन, मुख्यातिथि डॉ. अनिल पुंडीर ने कहा-नई तकनीकों का उपयोग करके अपडेट रहना चाहिए

जीजेयू में ई-कंटेंट डिवेलपमेंट के वर्कशॉप, विभिन्न राज्यों के 65 प्रतिभागी सात दिन में सीखेंगे डिजिटल टेक्नीक्स

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि आज पूरी दुनिया डिजिटलाइजेशन की तरफ तेजी से बढ़ रही है और हमें नई तकनीकों का उपयोग करके अपडेट रहना चाहिए। कंप्यूटर के विकास, विशेष रूप से इंटरनेट ने हमारे जीवन के सभी क्षेत्रों को प्रभावित किया है। डॉ. अनिल कुमार पुंडीर यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र के सोमवार से 'मुक्स, ई-कंटेंट डिवेलपमेंट एंड ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज' विषय पर शुरू हुई साप्ताहिक कार्यशाला के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

समारोह की अध्यक्षता यूजीसी-मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। कोर्स कॉर्डिनेटर प्रो. वंदना पूनिया हैं। मंच संचालन डॉ. अनुराग सांगवान ने किया। डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि भारत विश्व में सॉफ्टवेयर व एप्लीकेशन के निर्यात में तीसरे स्थान पर है। दस से पंद्रह साल पहले हम अपना समय पुस्तकालय में पुस्तकों, समाचार पत्रों व पत्रिकाओं में जानकारी के लिए बिताते थे। आज हम वेबसाइटों में जानकारी को खोजते हैं। आज ओपन एजुकेशनल रिसोर्सिज, ई-कंटेंट, मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेस आदि शिक्षकों व विद्यार्थियों के लिए बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षण की गुणवत्ता और छात्रों के सीखने की गुणवत्ता, उन्हें पढ़ाने वाले शिक्षकों द्वारा निर्धारित की जाती है। कौशल व प्रतिबद्धता के साथ अच्छी तरह से प्रशिक्षित शिक्षक व वैज्ञानिक महत्वपूर्ण सोच विकसित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस कोर्स का मुख्य उद्देश्य ई-सामग्री के अर्थ, डिजाइन व विकास को समझना है। मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि डिजिटलीकरण के कारण हमारी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आया है। शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को डिजिटल टूल व नवीनतम तकनीक से अवगत करवाने की आवश्यकता है। देश को डिजिटलाइजेशन के कारण शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए शिक्षकों को भी डिजिटलाइजेशन, ई-कंटेंट व तकनीकों से अपडेट रहना होगा। कोर्स कॉर्डिनेटर प्रो. वंदना पूनिया ने कार्यशाला की गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के 65 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। शिक्षकों को समझना चाहिए कि डिजिटल सामग्री व उपकरणों के उपयोग से शिक्षण और सीखने में सुधार होगा। यह कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए अत्यंत लाभदायक होगी।

ई-कंटेंट विषय पर वर्कशॉप के शुभारंभ के दौरान प्रतिभागी व टीचर्स।

एप्टीट्यूड व स्किल्ड की ट्रेनिंग के दौरान स्टूडेंट्स सभागार में।

चौधरी रणबीर सिंह सभागार में शुरू हुई पंद्रह दिवसीय कार्यशाला

62 स्टूडेंट्स कम्यूनिकेशन स्किल्स में होंगे पारंगत

हिसार | जीजेयू में मास्टर डिग्री करने वाले सेकंड व अंतिम वर्ष के स्टूडेंट को क्वांटीटेटिव एप्टीट्यूड, रीजनिंग व इंग्लिश स्पीकिंग स्किल्स में पारंगत किया जाएगा।

इसके लिए जीजेयू ने स्टूडेंट्स के लिए एक शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू किया है। योग्यता व संचार कौशल में सुधार के लिए पंद्रह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन जीजेयू के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने किया। पंद्रह दिनों की कार्यशाला में नौ विभागों के 162 पोस्ट ग्रेजुएट विद्यार्थी हिस्सा ले रहे हैं। विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में शुरू हुए इस कार्यक्रम में फैकल्टी ऑफ लॉ के अधिष्ठाता प्रो. कर्मपाल नरवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर टाइम के प्रशिक्षक पंकज चौधरी, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के प्लेसमेंट निदेशक प्रताप सिंह मलिक, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी संजय सिंह, सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह एवं विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित थे।

इंटरव्यू स्किल्स होगी डिवेलप : कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि जो विद्यार्थी कॉरपोरेट क्षेत्र में जाना चाहते हैं या जो किसी भी प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होंगे, उनके लिए एप्टीट्यूड महत्वपूर्ण है। कॉरपोरेट एचआर टीम भर्ती प्रक्रिया में एप्टीट्यूड परीक्षा का उपयोग करती है। एप्टीट्यूड परीक्षण कंपनियों को संभावित उम्मीदवारों की तार्किक क्षमता को बढ़ाते हैं। यदि उम्मीदवार योग्यता में मजबूत है, तो वह प्रतियोगी परीक्षाओं या कॉर्पोरेट साक्षात्कार में बढ़त दे सकता है।

एप्टीट्यूड में पारंगत होंगे स्टूडेंट्स : फैकल्टी ऑफ लॉ के अधिष्ठाता प्रो. कर्मपाल नरवाल ने बताया कि इस वर्कशॉप में स्टूडेंट्स एप्टीट्यूड में पारंगत होंगे। एप्टीट्यूड में स्टूडेंट्स लगातार अभ्यास करते हैं। जिससे वे बाजार की मांग के अनुसार अपने कौशल को निखार सकते हैं। उद्योग जगत को बेहतर स्किल वाले युवाओं की तलाश हमेशा रहती है। अगर स्टूडेंट्स कड़ा परिश्रम कर निपुणता हासिल कर ले तो उन्हें इंटरव्यू क्लियर करने में आसानी होती है। जिससे वो जल्द जॉब हासिल कर सकते हैं।

दैनिक भास्कर - 05-2-2019

हमें नई तकनीकों का उपयोग कर अपडेट रहना चाहिए : डॉ. अनिल पुंडीर

कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के 65 प्रतिभागी ले रहे हैं भाग

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। आज पूरी दुनिया डिजिटलीकरण की ओर तेजी से बढ़ रही है और हमें नई तकनीकों का उपयोग करके अपडेट रहना चाहिए। कंप्यूटर के विकास ने विशेष रूप से इंटरनेट ने हमारे जीवन के सभी क्षेत्रों को प्रभावित किया है। यह बात जीजेयू के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने कही।

वे सोमवार को यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र के मुक्स, ई-कंटेंट डेवलपमेंट एंड ओपन एजुकेशनल रिसोर्सिज विषय पर शुरू हुई साप्ताहिक कार्यशाला के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। कोर्स को-ऑर्डिनेटर प्रो. वंदना पूनिया हैं। मंच संचालन डॉ. अनुराग सांगवान ने किया।

डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि भारत विश्व में सॉफ्टवेयर व एप्लीकेशन के निर्यात में तीसरे स्थान पर है। 10-15 साल पहले हम अपना समय पुस्तकालय में पुस्तकों, समाचार पत्रों व पत्रिकाओं में जानकारी के लिए बिताते थे। आज हम वेबसाइटों में जानकारी को खोजते हैं। आज ओपन एजुकेशनल रिसोसिर्ज, ई-कंटेंट, मेसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज

जीजेयू में रिफ्रेशर कोर्स का उद्घाटन करते विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पुंडीर।

यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र के मुक्स, ई-कंटेंट डेवलपमेंट एंड ओपन एजुकेशनल रिसोर्सिज विषय पर शुरू हुई साप्ताहिक कार्यशाला

आदि शिक्षकों व विद्यार्थियों के लिए बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षण की गुणवत्ता और छात्रों के सीखने की गुणवत्ता, उन्हें पढ़ाने वाले शिक्षकों द्वारा निर्धारित की जाती है। कौशल और प्रतिबद्धता के साथ अच्छी तरह से प्रशिक्षित शिक्षक और वैज्ञानिक महत्वपूर्ण सोच विकसित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस कोर्स का मुख्य उद्देश्य ई-सामग्री के अर्थ, डिजाइन और विकास को समझना है।

शिक्षकों को भी नवीनतम तकनीक सीखने की जरूरत : दिलबागी

मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को डिजिटल टूल व नवीनतम तकनीकों से अवगत करवाने की आवश्यकता है। देश को डिजिटलीकरण के कारण शिक्षा के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए शिक्षकों को भी डिजिटलीकरण, ई-कंटेंट व तकनीकों से अपडेट रहना होगा। कोर्स कॉर्डिनेटर प्रो. वंदना पूनिया ने बताया कि कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के 65 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

अमर उजाला - 05-2-2019

नेशनल यूथ कम्पीटिशन में जीजेयू की टीम ने जीता फर्स्ट प्राइज

सिटी रिपोर्टर चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी मोहाली पंजाब में 1 से 5 फरवरी के बीच नेशनल यूथ कम्पीटिशन हुआ। जिसमें जीजेयू के स्टूडेंट्स ने फोक आर्केस्ट्रा में फर्स्ट प्राइज जीता। इसमें 5 जोन से 18 टीमों ने भाग लिया। इस उपलब्धि पर वीसी प्रो. टंकेश्वर ने भी स्टूडेंट्स को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कल्चरल इवेंट में बढ़-चढ़ कर पार्टिसिपेट करना चाहिए। इस कार्यक्रम में डीएसडब्लू बीके बिश्नोई, डीवाएडब्लू अजीत सिंह, कल्चरल कोर्डिनेटर तरूणा गेरा और हिमानी शर्मा के साथ गवर्नमेंट कॉलेज से रेणुका गंभीर भी शामिल हुई। स्टूडेंट को बधाई भी दी।

दैनिक भास्कर - 06-2-2019

जीजेयू • ई-कंटेंट डिवलेपमेंट की वर्कशॉप में एक्सपर्ट ने किया अवेयर

स्मार्टफोन और कंप्यूटर से फ्री में करें इंजीनियरिंग व होटल मैनेजमेंट कोर्स

सुभाष चंद्र | हिसार

ओपन एजुकेशनल रिसोर्सिज व मुक कोर्सेस (मेसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) के जरिये अपने स्मार्टफोन से भी फ्री में कोर्स किए जा सकते हैं। यह जानकारी जीजेयू में ई-कंटेंट डिवलेपमेंट एंड ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज' विषय पर आयोजित की जा रही वर्कशॉप के दूसरे दिन भागलपुर यूनिवर्सिटी से ई-कंटेंट विषय पर डॉ. शेफाली ने दी। यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र की ओर से आयोजित डॉ. शेफाली ने बताया कि स्वयं पोर्टल पर ऑनलाइन मूक कोर्स किए जा सकते हैं। ये फ्री होते हैं। इन्हें कंप्यूटर व स्मार्टफोन के जरिये भी कर सकते हैं। इन कोर्सेस में टूरिज्म से लेकर वैदिक लैंग्वेज के कोर्स शामिल हैं, कोर्सेस में मेडिकल से लेकर एग्रीकल्चर से जुड़े कोर्स शामिल किए गए हैं। स्वयं पोर्टल पर 1082 कोर्स अवेलेबल करवाए गए हैं। स्वयं पोर्टल पर इंजीनियरिंग, साइंस, ह्यूमैनिटीज, लैंग्वेज, कॉमर्स, मैनेजमेंट, लाइब्रेरी एजुकेशन आदि विषयों के कोर्स उपलब्ध है।

9वीं से लेकर पोस्ट ग्रेजुएशन तक के कोर्सेस उपलब्ध

पोर्टल पर कक्षा 9 से लेकर पोस्ट ग्रेजुएशन तक कोर्सेस उपलब्ध हैं। इन्हें स्टूडेंट्स, शिक्षक, रिटायर्ड आदि आसान से कर सकते हैं। बिना जॉब से छुट्टी लिए या स्टडी के दौरान भी इन कोर्सेस को किया जा सकता है। ये कोर्सेस करके प्रमाण पत्र भी हासिल किए जा सकते हैं। जिनके जरिये जॉब भी हासिल की जा सकती है।

यह है स्वयं पोर्टल

स्वयं पोर्टल भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा माइक्रोसॉफ्ट की मदद से तैयार किया गया एक ऑनलाइन एजुकेशन पोर्टल है। जो छात्र प्रमाणपत्र लेना चाहेंगे। उन्हें सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने के बाद प्रमाण-पत्र दिया जाएगा।

स्वयं पोर्टल पर 4 तरीकों से दिया है पाठ्यक्रम

▪ वीडियो लेक्चर ▪ स्टडी मटीरियल जो डाउनलोड व प्रिंट किया जा सकता है। ▪ परीक्षा व प्रश्नोत्तरी के माध्यम से स्वयं मूल्यांकन परीक्षा ▪ ऑनलाइन डिस्कशन।

ऐसे कर सकते हैं कोर्स

इन कोर्सेस को करने के लिए स्वयं पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। रजिस्ट्रेशन के लिए ईमेल आईडी होना आवश्यक है। कोर्स करने पर सर्टिफिकेट ईमेल आईडी पर ही भेजा जाता है। यह कोर्स करने पर अंतरराष्ट्रीय स्तर की ओपन यूनिवर्सिटी का सर्टिफिकेट दिया जाता है।

ओपन एजुकेशन रिसोर्सेज : वर्ल्ड के बेस्ट एक्सपर्ट का ऑनलाइन कंटेंट आसानी से मिल सकता है। ओपन एजुकेशन रिसोर्सज से स्टूडेंट्स विभिन्न वेबसाइट से विभिन्न टॉपिक्स का कंटेंट ले सकते हैं। जो उन्हें नंबरवाइज मिल जाता है। इस कंटेंट में टेक्स्ट कंटेंट के साथ, वीडियो, ऑडियो कंटेंट भी शामिल है। इसके जरिये स्टूडेंट्स विभिन्न विषयों में एक्सपर्ट की रिसर्च को देख सकते हैं, जिससे थिसिस लिखते समय कॉपीराइट जैसी समस्याओं से भी बचा जा सकता है। ई-सामग्री, डिजिटल टूल, 3डी टेक्नीक्स के बारे में भी स्टूडेंट्स को जानकारी दी गई। कोर्स कॉर्डिनेटर प्रो. वंदना पूनिया रही। मंच संचालन डॉ. अनुराग सांगवान ने किया। देश के विभिन्न राज्यों के 65 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

दैनिक भास्कर - 06-2-2019

कारनामा : साधारण साइकिल को बना डाला हाईब्रिड वाहन

गुजवि के छात्र आशीष को विधायक डा. कमल गुप्ता ने 10 हजार का चैक देकर किया सम्मानित

हिसार, 6 फरवरी (सुरेंद सोढी) : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रथम वर्ष के एक छात्र ने ऐसा कारनामा कर दिखाया है कि गुजवि ही नहीं उसका हर कोई कायल हो गया है। गुजवि के छात्र आशीष ने एक साधारण साइकिल को बिना पैडल चलने व बिजली से चार्ज होकर सड़क पर दौड़ने वाले वाहन के रूप में तैयार किया है। आशीष का कहना है कि पेट्रोल व डीजल की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं और पेट्रोल व डीजल से चलने वाले वाहनों के कारण प्रदूषण भी लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी को देखते हुए उसने यह बिजली से चार्ज होने वाली साईकिल तैयार की है। सस्ता व प्रदूषण रहित वाहन तैयार करना मेरी कल्पना में शुमार था क्योंकि साईकिल प्रदूषण रहित वाहन है और इसे कोई भी आसानी से चला सकता है। आशीष ने बताया कि उसके द्वारा तैयार की गई साधारण साईकिल को हाईब्रिड इलेक्ट्रॉनिक साईकिल का रूप दिया गया है और इस साईकिल की अधितकम स्पीड 60 किमी प्रति घंटा की जा सकती है। यह साईकिल 4 से 5 घंटे में पूरी तरह चार्ज हो जाती है और लगभग 50 किमी तक आसानी से चलाई जा सकती है। बैटरी खत्म होने पर इस साईकिल को पैडल से भी चलाया जा सकता है। इस साईकिल में हॉर्न, डिजिटल मीटर, इंडीकेटर व बैक लाईट भी लगाई गई है।

आशीष को प्रोत्साहन स्वरूप चैक देते विधायक डा.कमल गुप्ता व अन्य।

ऐसे युवकों को मिले प्रोत्साहन : डा: गुप्ता : बिजली से चार्ज होने वाली साईकिल के अवलोकन के अवसर पर विधायक व ब्यूरो ऑफ पब्लिक इंटरप्राईजिज के चेयरमैन डा. कमल गुप्ता ने कहा कि हमारे देश के प्रतिभावान, ऊर्जावान व क्रियाशील युवाओं को यदि उचित अवसर व प्रेरणा मिले तो वे जनहितों की दृष्टि से बड़े से बड़े वैज्ञानिक अविष्कार करने में पूरी तरह सक्षम हैं। युवाओं की प्रतिभा के दर्शन हमें आए दिन समाचार पत्रों के माध्यम से पढ़ने को मिलते रहते हैं।

विधायक ने दिया 10 हजार का चैक : छात्र की इस उपलब्धि पर विधायक डॉ गुप्ता ने उसे 10 हजार रुपये का चैक देकर सम्मानित किया व उसका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी सुरेश गोयल धूपवाला, चेयरमैन महावीर जांगड़ा, सुरेंद्र सिंह सैनी, पार्षद प्रीतम सैनी, भूपसिंह रोहिल्ला, अनिल सैनी, कविता केडिया, राजकुमार इंदौरा, दीनदयाल गोरखपुरिया सहित अन्य पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दैनिक सवेरा टाइम्स - 7-2-19

20 students of GJU&ST recruited by Infosys

HISAR: Twenty students of Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar (GJUS&T) have been selected by Infosys. Infosys had conducted a pool campus placement drive on January 30 and January 31 for the students of all government universities and engineering colleges of Haryana at Maharshi Dayanand University (MDU), Rohtak. Around 100 students took part in the drive. HTC

Hindustan Time
10/2/19

जेयू में इथोपिया, दक्षिण अफ्रीका के साथ 50 प्रतिभागी सीखेंगे व्यापार व प्रबंधन टिप्स

हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस का 11वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन आज

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस का दो दिवसीय 11वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन 7 फरवरी से शुरू होगा। जीजेयू के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में सम्मेलन का उद्घाटन मुख्यातिथि विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे। भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के सेवानिवृत निदेशक प्रो. जगदीप छोकर मुख्य वक्ता होंगे। एमएसएमई उद्योग के अध्यक्ष डॉ. राजीव चावला समारोह के विशिष्ट अतिथि होंगे। हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के अधिष्ठाता व सम्मेलन के निदेशक प्रो. एनएस मलिक समारोह की अध्यक्षता करेंगे। सम्मेलन में इथोपिया व दक्षिण अफ्रीका के एक-एक प्रतिभागी व भारत के विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों सहित 350 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। सम्मेलन निदेशक प्रो. एनएस मलिक ने बताया कि 'व्यापार एवं प्रबंधन' विषय पर होने वाले सम्मेलन में शोधपत्र, लेख व पोस्टर की विशेष प्रस्तुति का आयोजन किया जाएगा। प्रतिभागियों के साथ परिचय कराते हुए प्रो. पीके गुप्ता ने कहा कि सम्मेलन में राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) पर एक पूर्ण सत्र सहित 14 तकनीकी सत्र रखे गए हैं। इनमें से वित्त एवं लेखा पर पांच सत्र, मानव संसाधन प्रबंधन पर तीन सत्र, विपणन एवं तार्किक पर दो सत्र तथा आर्थिक एवं उद्यमिता पर, रणनीतिक प्रबंधन पर व सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधन पर एक-एक सत्र रखे गए हैं।

सम्मेलन की सलाहकार समिति में मुंजाल विश्वविद्यालय, हरियाणा के पूर्व कुलपति प्रो. प्रेम कुमार, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के पूर्व कुलपति प्रो. बीके पूनिया, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी के कुलपति प्रो. आरके मित्तल, एक्सिस एएमसी, मुम्बई के उपाध्यक्ष मिलिंद वनगुलरकर, एलआईसी जोनल ट्रेनिंग सेंटर, गुड़गांव के सीनियर डिविजनल मैनेजर जेएस निजार, ग्रुप एम्पलाई रिलेशंस, एसकोर्ट लिमिटेड, फरीदाबाद के मुख्य बीएस डागर, जीजेयू के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के प्रो. हरभजन बंसल, डॉ. अनिल कुमार पुंडीर शामिल हैं।

दैनिक भास्कर-7-2-19

जीजेयू • बिजनेस एंड मैनेजमेंट पर नेशनल कॉन्फ्रेंस में एक्सपर्ट ने दिए टिप्स

लघु उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ रोजगार के अधिक मौके मिलेंगे : राजीव

भास्कर न्यूज | हिसार

शेयर मार्केट में कैसे निवेश करें, भारतीयों को किस तरह के उद्योग करने चाहिए व भारतीय अर्थव्यवस्था कैसे मजबूत हो सकती है। इसके अलावा लघु उद्योगों से रोजगार के मौके बढ़ाने पर जोर दिया। इन बातों के टिप्स जीजेयू में एक्सपर्ट्स ने दिए। मौका था हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस में आयोजित 'व्यवसाय एवं प्रबंधन' विषय की 11वीं वार्षिक नेशनल कॉन्फ्रेंस का।

सम्मेलन का उद्घाटन मुख्यातिथि विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के अधिष्ठाता प्रो. एनएस मलिक ने समारोह की अध्यक्षता की।

इस मौके पर भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व अधिष्ठाता एवं निदेशक प्रो. जगदीप एस. छोकर मुख्य वक्ता के रूप में व एमएसएमई उद्योग के अध्यक्ष डॉ. राजीव चावला विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उच्च गुणवत्ता के अनुसंधान में व्यक्तियों और टीम की भागीदारी की सराहना

राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में उपस्थित शिक्षक व शोधार्थी।

निफ्टी के साथ अन्य असेट्स पर कर सकते हैं निवेश

दिल्ली के अंबेडकर इंस्टीट्यूट से पहुंचे डॉ. साहनी ने बताया कि उन्होंने शेयर मार्केट पर रिसर्च की। इसमें निफ्टी, रुपये डॉलर एक्सचेंज रेट को चेक किया। इंटीग्रेशन निफ्टी अगर कमोडेक्स को इफेक्ट करता है तो इन दोनों में पैसा लगाने वाले निवेशक को लाभ की बजाय नुकसान अधिक होगा।

व्यापार व प्रबंधन विषय से जुड़ी पुस्तकों का विमोचन

उद्घाटन समारोह में एचएसबी में प्रो. कर्मपाल नरवाल द्वारा लिखित 'पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप इन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन हरियाणा' तथा प्रो. शबनम सक्सेना व डॉ. श्वेता सिंह द्वारा लिखित 'एचएसबी रिसर्च रिव्यू' पुस्तकों का विमोचन किया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि तकनीक में बदलाव हो रहा है लेकिन हम नहीं बदल रहे हैं। विश्वविद्यालय में हाल ही में स्थापित पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इनक्युबेशन सेंटर स्थापित हुआ है। प्रो. जगदीप एस. छोकर ने उच्च गुणवत्ता के अनुसंधान में व्यक्तियों और टीम की भागीदारी की सराहना की।

विशिष्ट अतिथि डॉ. राजीव चावला ने लघु, कुटीर व मध्यम वर्ग उद्योग एमएसएमई उद्योग के विशेष संदर्भ के साथ उद्योग की समस्याओं और संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि एमएसएमई उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी है जो बड़े उद्योग की तुलना में रोजगार के कई गुना अधिक अवसर पैदा करता है। एमएसएमई मुद्दों पर रिसर्च होनी चाहिए। एमएसएमई क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाएगा और यदि भारत को दोहरे अंक की विकास दर के साथ बढ़ना है, तो यह एमएसएमई उद्योग से होगा। प्रो. पीके गुप्ता ने कहा कि सम्मेलन में राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) पर एक पूर्ण सत्र सहित 14 तकनीकी सत्र रखे गए हैं। इथोपिया व दक्षिण अफ्रीका सहित व भारत के विभिन्न राज्यों सहित 350 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

दैनिक भास्कर-8-2-19

Placement for 34 GJUST students

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, FEBRUARY 9

Twenty students of Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar (GJUST), have been selected in Infosys.

Prof Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, said Infosys had conducted a pool campus placement drive on January 30 and 31 for students of all government universities and engineering colleges of Haryana at MDU, Rohtak. Thirtyfour students were placed during the drive.

A total number of 100 students of GJUST participated in the drive. After going through multiple phases, 20 students of the university were finally selected.

He said the selection of 20 students in Infosys, five in Wipro and nine in TCS indicated that due to the initiatives of the training and placement cell, more students are being placed in good companies.

The selected students will join the company on the post of system engineer at the initial package of Rs 3.25 lakh per annum in June 2019.

The Tribune
10/2/19

जीजेयू के पांच विद्यार्थी बने विप्रो कम्पनी में प्रोजेक्टर इंजीनियर

विश्वविद्यालय के 76 विद्यार्थियों ने लिया था भाग

चयनित हुए जीजेयू के स्टूडेंट्स कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ।

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के पांच विद्यार्थी सॉफ्टवेयर कम्पनी विप्रो टेक्नोलॉजी में चयनित हुए हैं। चयनित विद्यार्थी गुरुवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मिले।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि विप्रो ने इस वर्ष 'विप्रो इलाइट टैलेंट हंट 2019' कार्यक्रम के तहत देशभर के तकनीक कॉलेजों व यूनिवर्सिटीज के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया है। पहले चरण में, 16 नवंबर और 17 नवंबर, 2018 को विभिन्न केंद्रों में 'ऑनलाइन असेस्मेंट टेस्ट' का आयोजन किया। इसमें विश्वविद्यालय के बीटेक सीएसई, आईटी, ईसीई व मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 76 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विप्रो कम्पनी के पैनल के तकनीकी व व्यक्तिगत साक्षात्कार के बाद इनमें से पांच विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने सीएसई विभाग के अध्यक्ष प्रो. ऋषिपाल सिंह, ईसीई विभाग के अध्यक्ष प्रो. दीपक केडिया व सभी शिक्षकों को चयन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए छात्रों को तैयार करने व प्रेरित करने के लिए आभार व्यक्त किया है।

चयनित विद्यार्थियों में बीटेक सीएसई के अनिल रेल्हान व गौरव कालड़ा व बीटेक ईसीई की ज्योति, रेणुका पूनिया और शुभी रस्तोगी शामिल हैं।

दैनिक भास्कर - 8-2-19

शोधार्थी को पता होना चाहिए, चयनित विषय पर वो शोध क्यों कर रहा है: प्रो. टंकेश्वर

जीजेयू में आयोजित वर्कशॉप में विशेषज्ञों ने छात्रों को दिए टिप्स

जीजेयू में वर्कशॉप में भाग लेने वाले प्रतिभागी व वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार।

भास्कर न्यूज | हिसार

शोधार्थी को महत्वपूर्ण विषयों पर शोध करनी चाहिए। शोधार्थी को ये भी पता होना चाहिए कि चयनित विषय पर हम शोध क्यों कर रहे हैं और इसका देश व समाज को क्या फायदा मिलेगा। यह बात प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कही।

वो यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान द्वारा प्रायोजित 'रिसर्च मेथोडोलॉजी एंड डाटा एनालिटिकल टेक्नीक्स इन साइंस एंड इंजीनियरिंग/सोशल साईंसिज' विषय पर जीजेयू में शुरू हुई साप्ताहिक कार्यशाला में बतौर मुख्यातिथि कही। समारोह की अध्यक्षता यूजीसी-मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। कोर्स कॉर्डिनेटर डॉ. खजान सिंह व डॉ. राजेश ठाकुर है। वर्कशॉप को संबोधित करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अच्छे शोध के लिए शोधार्थी को शोध के दौरान टेक्निकल टूल्स का प्रयोग करना चाहिए। किसी भी विश्वविद्यालय को ऊंचाइयों तक ले जाने में शिक्षकों व शोधार्थियों द्वारा किया जा रहा शोध बहुत महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि शोध में ऑनलाइन डाटा का तेजी से उपयोग हो रहा है।

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने बताया की जीजेयू में इनोवेशन सेंटर, कम्प्यूटर एंड इन्फॉरमेशन सेंटर व विभिन्न लैब का विस्तार किया गया है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय इन्क्यूबेशन सेंटर भी राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत बनाया जा रहा है।

दैनिक भास्कर - 12/2/19

शोध • जीजेयू में साइंस कॉनक्लेव में 12वीं कक्षा के छात्र ने प्रस्तुत किया कृत्रिम हाथ का मॉडल

दोस्त का आरा मशीन में हाथ कटा तो अंकित ने बाजार से 99% कम कीमत में बनाया कृत्रिम हाथ, लिखने से लेकर वजन उठाने में सक्षम

सुभाष चंद्र | हिसार

आरा मशीन में दोस्त का हाथ कटा तो हिसार के लाहौरिया चौक निवासी अंकित ने उसके लिए कृत्रिम हाथ बनाया है। यही नहीं अंकित ने यह कृत्रिम हाथ बाजार से 99 प्रतिशत कम कीमत में तैयार किया। इस कृत्रिम हाथ को मंगलवार को जीजेयू में साइंस कॉनक्लेव में प्रेजेंट किया गया। कृत्रिम हाथ का मॉडल नेशनल इंस्पायर अवॉर्ड के लिए भी सिलेक्ट हुआ है। अंकित इसे 14-15 फरवरी को दिल्ली आईआईटी में भी प्रेजेंट करेंगे।

सामान्यतः करीब 2 लाख की कीमत का कृत्रिम हाथ मिलता है, वहीं अंकित ने कुछ सामान्य घरेलू सामान लेकर इसे तैयार किया, जिस पर सिर्फ 1500 रुपये की लागत आई। जीजेयू में साइंस कॉन्क्लेव में प्रदेशभर से 1800 स्टूडेंट्स हिस्सा लेने पहुंचे हैं। दो दिन चलने वाली प्रदर्शनी में कई तरह के मॉडल प्रस्तुत किए गए हैं।

कृत्रिम हाथ में ये घरेलू सामान किया प्रयोग

अंकित ने एल्बो से लेकर उंगलियों तक का कृत्रिम हाथ तैयार किया है। इसमें सर्जिकल ग्लब्स में तीन गियर मोटर डाली गई हैं। दो मेटल की पाइप ली गई हैं जो करीब एक सेंटीमीटर मोटी हैं। एल्बो से लेकर कलाई तक दो पाइप डाली हुई हैं, एक गियर मोटर कलाई के लिए यूज की गई है। बाकी दो मोटर हाथ के लिए। दरवाजों में यूज किए जाने वाले कब्जे, तीन बैटरी व नी कैप से इसे कवर किया गया है। अंगुलियों में रबड़ भी यूज किया गया है। अंगुलियां मेटल की पाइप को वेल्ड करवाकर बनाई गई हैं। इन्हें गियर मोटर से कनेक्ट किया गया है। कृत्रिम हाथ को यूज करने के लिए हाथ में दो स्विच लगाए हैं, जिन्हें प्रेस करने पर कृत्रिम हाथ काम करता है।

जीजेयू में कृत्रिम हैंड दिखाता अंकित।

दो साल में किया पूरा प्रोजेक्ट

रवि से मेरी दोस्ती जिंदल मॉडर्न स्कूल में 10वीं कक्षा में हुई थी। चार साल की उम्र में रवि का बायां हाथ चारा काटने वाली मशीन से कट गया था। उसे देख लगा कि उसका हाथ होना चाहिए, बस यहीं से मैंने ठान लिया और कृत्रिम हाथ बना दिया। रवि को कृत्रिम हाथ दिलवाने में पिता असमर्थ थे, इसलिए उसके पिता के अधिकारियों ने रवि के लिए करीब 2 लाख रुपए में कृत्रिम हाथ खरीदा था। 10वीं कक्षा में इंस्पायर स्कीम के तहत कृत्रिम हाथ बनाना शुरू किया था। 12वीं कक्षा में दाखिला लेने के बाद मेरा यह मॉडल सिलेक्ट हुआ था। 21 दिसंबर एससीआरटी गुड़गांव में प्रेजेंट किया, यहां हरियाणा से 6 स्टूडेंट्स सिलेक्ट हुए थे।

-अंकित, प्रोजेक्ट बनाने वाले 12वीं का छात्र, डीपीएस।

दैनिक भास्कर - 10/2/19

2 दिवसीय साइंस फॉर सोशियो-इकोनोमिक्स ग्रोथ साइंस कॉन्क्लेव का हुआ शुभारंभ

जिज्ञासाओं को रोके नहीं, उनके उत्तर तलाशें और तलाश को लक्ष्य बनाएं : प्रो. कुठियाल

हिसार, 12 फरवरी (ब्यूरो): स्टूडैंट्स को अपनी जिज्ञासाओं को रोकना नहीं चाहिए, उनके उत्तर तलाशें और इसी तलाशी को जीवन का लक्ष्य बनाना चाहिए। हर बालक-बालिका को प्रकृति ने कोई न कोई प्रतिभा दी है। इस प्रतिभा को समझना और उसको मौका देना जरूरी है।

साइंस कॉन्क्लेव-2019 का उद्घाटन करते मुख्यातिथि प्रो. बी.के. कुठियाला, समीप हैं कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

यह बात मंगलवार को गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में साइंस फॉर सोशियो-इकोनोमिक्स ग्रोथ विषय पर 2 दिवसीय साइंस कॉन्क्लैव-2019 के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. बी.के. कुठियाला ने कही। विश्वविद्यालय के चौ. रणबीर सिंह सभागार में हुए समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर सी.एस.आई.आर. लखनऊ के पूर्व उपनिदेशक डा. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला के डा. पी.के. अहलुवालिया, आई.आई.एस.ई.आर. पुणे के डा. ए.ए. नाट्टू, एन.एस.सी. दिल्ली के विजय शंकर शर्मा तथा आई.आई.टी. दिल्ली के डा. आर.के. शर्मा ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए।

कॉन्क्लैव के दौरान होंगे कई कार्यक्रम

साइंस कॉन्क्लेव के समन्वयक प्रो. देवेन्द्र कुमार ने बताया कि कॉन्क्लेव के दौरान प्रश्नोत्तरी, पैनल डिस्कशन, प्रयोगशालाओं की यात्रा के अतिरिक्त राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र दिल्ली की तरफ से भी एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

1800 स्टूडैंट्स ने की शिरकत

कार्यक्रम के दौरान मंगलवार को कॉन्क्लेव की सोविनियर का विमोचन भी किया गया। साइंस कॉन्क्लेव में प्रदेशभर से स्नातकोत्तर, स्नातक सहित 9वीं से 12वीं तक के लगभग 1800 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं।

पंजाब केसरी- 13/2/19

रामायण से संबंधित खगोलीय परिस्थितियों को नासा ने भी माना : प्रो. टंकेश्वर

साइंस कनवलेव-2019 संपन्न, रामायण एन एपिक ऑफ फैक्ट और मिथोलॉजी : साइंटिफिक एविडेंस पर व्याख्यान

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में साइंस फॉर सोशियो-इकोनोमिक्स ग्रोथ विषय पर चल रही दो दिवसीय साइंस कनक्लेव-2019 बुधवार को संपन्न हुई। समापन समारोह में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि थे, जबकि अध्यक्षता समन्वयक प्रो. देवेंद्र कुमार ने की।

कुलपति टंकेश्वर कुमार ने रामायण एन एपिक ऑफ फैक्ट और मिथोलॉजी : साइंटिफिक एविडेंस पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि रामायण से संबंधित हमारे पास अनेक प्राकृतिक तथा भौगोलिक वैज्ञानिक प्रमाण हैं। करीब सात हजार साल पहले श्रीराम युग था। हमारे ऋषि महान वैज्ञानिक थे। उस समय भी हमारे पास शैल्य चिकित्सा की तकनीक थी। गुरुकुल शिक्षा श्रेष्ठ शिक्षा प्रणाली थी। वाल्मीकि रामायण में महर्षि वाल्मीकि ने खगोलीय घटनाओं के अनेक तथ्य दिए हैं, जो उस समय की खगोलीय परिस्थितियों को दर्शाते हैं। भौगोलिक परिस्थितियां और उस समय हुई मौसमी घटनाएं पूरी तरह से वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित हैं। रामायण से संबंधित खगोलीय परिस्थितियों को वर्तमान सॉफ्टवेयर के जरिये नासा ने भी माना है। रामायण में वर्णित उस समय की नदियों की भौगोलिक परिस्थिति और वनस्पति आदि वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुकी हैं। उस समय उन्नत किस्म के हथियारों की तकनीक उपलब्ध थी। राम सेतु मानव निर्मित है। सात हजार साल पहले वह समुद्र के ऊपर था। नल व नील इंजीनियरों ने इसे बनाया था।

जीजेयू में साइंस कनक्लेव के दौरान हुई प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी।

बुधवार को पहले सत्र में साइंस शो का आयोजन हुआ, जिसमें जादुई और चमत्कारिक घटनाओं के वैज्ञानिक व प्राकृतिक तथ्यों के बारे में बताया गया। इस शो से समाज में फैली भ्रांतियों को दूर किया गया। उन्होंने कहा कि जादू व चमत्कार करने वाले चातुर्य तरीके से लोगों को गुमराह करते हैं। यह सत्र राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र द्वारा किया गया। पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के प्रो. संदीप सहजीपाल ने खगोलीय विज्ञान एवं तकनीक पर बोलते हुए कहा कि वर्तमान समय केवल तारों और आकाश गंगाओं के अध्ययन को वर्णित करने का समय नहीं है। अब समाज व राष्ट्र के लिए रिमोट सेंसिंग वातावरण संबंधित भविष्यवाणी, मौसम का अध्ययन, रक्षा एवं राष्ट्र की सुरक्षा तथा टेलीकॉम सेटेलाइट्स के प्रयोग का समय है। विकसित देश रिमोट सेंसिंग और भविष्यवाणियों का ज्यादा उन्नत तरीके से प्रयोग कर रहे हैं। प्रो. नीरज दिलबागी ने नैनो साइंस स्माल साइंस बिग ड्रीम विषय पर अपना व्याख्यान दिया। आईआईटी दिल्ली के प्रो. आरके शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि वैज्ञानिक अनुसंधान राष्ट्र तथा समाज के विकास के लिए होने चाहिए।

साइंस मॉडल्स में जिंदल स्कूल का अंकित प्रथम

साइंस मॉडल्स में ओपी जिंदल मॉडल स्कूल हिसार के अंकित ने पहला, ठाकुरदास भार्गवदास स्कूल के मोहन व मुनीष ने दूसरा और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के सचिन, कुलविंद्र, विवेक व नवीन ने तीसरा पुरस्कार जीता। साइंस क्विज प्रतियोगिता में होली चाइल्ड वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के दिनेश जिंदल, भारत, गगन खुराना की टीम ने प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बरवाला के अजय कुमार, कमल कुमार व विक्रम सिंगला की टीम ने द्वितीय तथा गुजवि के फिजिक्स विभाग की मुस्कान, रोहन व अमन ने तृतीय पुरस्कार पाया। कार्यक्रम में ओपन प्रश्नोत्तरी सत्र भी हुआ। इसमें जतिन ने पहला, विकास ने दूसरा, आवेश ने तीसरा पुरस्कार जीता। धन्यवाद प्रस्ताव संयोजक सचिव प्रो. आशीष अग्रवाल ने प्रस्तुत किया। कनक्लेव में प्रदेशभर से स्नातकोत्तर, स्नातक सहित नौवीं से 12वीं तक के करीब 1800 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अमर उजाला- 14/2/19

15 रुपये में बनाया डिजिटल मोबाइल माइक्रोस्कोप हर लैब के लिए उपयोगी, विशेषज्ञ भी हुए अचंभित

गुजवि में साइंस कनक्लेव-2019 का शुभारंभ, विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए इनोवेटिव आइडिया के मॉडल

जागरण संवाददाता, हिसार : स्कूलों और शिक्षण संस्थानों की साइंस लैब में विभिन्न कार्यों में इस्तेमाल होने वाले माइक्रोस्कोप को अब गवर्नमेंट सीनियर सैकेंडरी स्कूल के बच्चों का आइडिया टक्कर दे रहा है। विद्यार्थियों ने 15 रुपये के एक उत्तल लैंस को मोबाइल से जोड़कर डिजिटल मोबाइल माइक्रोस्कोप बना दिया है। वर्तमान में हर किसी के पास कैमरे वाले मोबाइल फोन की उपलब्धता है।

माइक्रोस्कोप के अभाव में मोबाइल फोन पर उत्तल लैंस को सेट करके माइक्रोस्कोप की जगह पर इस्तेमाल किया जा सकता है। स्कूल के 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों सचिन और कुलविंद्र ने मंगलवार को गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय साइंस कनक्लेव-2019 में ये डिजिटल मोबाइल माइक्रोस्कोप प्रदर्शित किया, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। गवर्नमेंट सीनियर सैकेंडरी स्कूल के लेक्चरर श्रीप्रकाश यादव ने बताया कि सरकारी स्कूलों की लैब में कई जगहों पर माइक्रोस्कोप जैसे संसाधनों की कमी है। ऐसे में विद्यार्थियों का यह आइडिया लैब में माइक्रोस्कोप का सस्ता विकल्प हो सकता है। यह बायोलॉजी संबंधी स्लाइड, कपड़ा, फसलों में कीट सहित तमाम स्लाइड्स और अन्य सुक्ष्म जांच कार्यों में उपयोग लाया जा सकेगा। संयोजक सचिव प्रो. आशीष अग्रवाल ने बताया कि साइंस कनक्लेव में प्रदेशभर से स्नातकोत्तर, स्नातक, सहित 09वीं से 12वीं तक के लगभग 1800 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। विद्यार्थियों ने बताया कि साइंस के टीचर आंखों और उत्तल व अवतल लैंस के बारे में पढ़ा रहे थे। मन में आया कि उत्तल लैंस को मोबाइल के कैमरे के साथ लगा कर देखना चाहिए, शायद ये माइक्रोस्कोप की तरह चीजों को दिखा दे। उन्होंने बाजार से 15 रुपये का उत्तल लैंस खरीदा। उसे कैमरे के पीछे फीट किया। इससे शर्ट के कपड़े को देखा तो लैंस से कपड़े का एक-एक धागा अलग-अलग दिखाई देने लगा।

गुजवि में साइंस कनक्लेव-2019 में उपस्थित प्रतिभागी। • जागरण

सोविनियर का विमोचन करते मुख्यातिथि प्रो. बीके कुठियाला, कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं अन्य। • जागरण

हर विद्यार्थी के पास प्रतिभा, प्रोत्साहित करने की जरूरत : प्रो. कुठियाला

साइंस कनक्लेव में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे हरियाणा राज्य उच्चत्तर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. बीके कुठियाला ने विद्यार्थियों से कहा है कि वे अपनी जिज्ञासाओं को रोकें नहीं। उनके उत्तर तलाशें और इस तलाश को जीवन का लक्ष्य बनाएं। हर बालक-बालिका को प्रकृति ने कोई न कोई प्रतिभा दी है। इस प्रतिभा को समझना और उसको मौका देना जरूरी है। गुजवि के रसायन विभाग के सौजन्य से साइंस फॉर सोशियो-इकोनोमिक्स ग्रोथ 'विषय पर आयोजित इस समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने कहा कि भारत में विज्ञान एवं तकनीक की अति प्राचीन एवं समृद्ध परम्परा है।

विद्यार्थियों ने किया प्रयोगशालाओं का भ्रमण

साइंस कनक्लेव के समन्वयक प्रो. देवेन्द्र कुमार ने बताया कि कनक्लेव के दौरान प्रश्नोत्तरी, पेनल डिस्कशन, प्रयोगशालाओं की यात्रा के अतिरिक्त राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र दिल्ली की तरफ से भी एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सीएसआईआर लखनऊ के पूर्व उपनिदेशक डा. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला के डा. पीके अहलुवालिया, आइआइएसईआर पुणे के डा. एए नट्टू, एनएससी दिल्ली के विजय शंकर शर्मा और आईआईटी दिल्ली के डा. आरके शर्मा ने विभिन्न विषयों पर विस्तृत व्याख्यान दिए।

दैनिक जागरण- 13/2/19

गुजवि में जलवायु परिवर्तन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 18 से

इंडिया, फ्रांस व कनाडा के वैज्ञानिक करेंगे मंच साझा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गुजवि के पर्यावरण एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 18 से 20 फरवरी को स्वास्थ्य और कृषि स्थिरता हेतु जलवायु परिवर्तन विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

फ्रांस के नोबेल विजेता प्रो. आर्थर रिड्केर मुख्य अतिथि होंगे और ऑस्ट्रेलिया के प्रो. रिचर्ड सैफरी सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में मुख्य वक्ता होंगे। वेलेडिक्ट्री समारोह में कनाडा के प्रो. रविंद्र एन चिब्बर मुख्य अतिथि होंगे और कनाडा के प्रो. डेविड ओल्सन अतिथि के रुप में उपस्थित रहेंगे। गुजवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। सम्मेलन के अन्य प्रतिनिधियों में बेल्जियम से प्रो. बी वैन डैन बर्ग, कनाडा से प्रो. जेनिस एल बेली, प्रो. गर्लिंड मेटज, डा. एशले ऐमोन मुख्य रुप से रहेंगे। ये अपने ज्ञान और शोध निष्कर्षों को सांझा करेंगे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह सम्मेलन युवा वैज्ञानिकों को अपने शोध कार्य प्रस्तुत करने के लिए अच्छा मंच प्रदान करेगा।

- 21 तकनीकी सत्रों, 4 पोस्टर सत्रों और एक ऑनलाइन सत्र में तीन दिनों के दौरान सम्मेलन में नौ विषयों का होगा समायोजन
- सम्मेलन में विचार किया जाएगा कि पर्यावरण स्थिरता के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं

विश्व से पधारेंगे 37 वक्ता

इस तीन दिवसयी सम्मेलन में दुनियाभर के कुल 37 वक्ता पधारेंगे। इनमें बलदेव सेतिया, प्रो. बीडी जोशी, डा. एचएन दत्ता, डा. एसडी अत्री, प्रो. एससी जैन, प्रो. एसके सिंह, प्रो. जीसी पाण्डेय, सीपी कौशिक, प्रो. बीएन पांडे, प्रो. सुनील त्रिवेदी, प्रो. अनुभा कौशिक, प्रो. हरमिंदर पाल सिंह, प्रो. पीसी जोशी, प्रो. राजेश धनखड़, प्रो. पीके जोशी, प्रो. जितेंद्र लौरा, प्रो. डीके केशरी, प्रो. विनीता शुक्ला, प्रो. नरेंद्र सिंह, डा. निशिकांत भारद्वाज, प्रो. जितेंद्र शर्मा, प्रो. डिजी आर बतीश, प्रो. जेपी यादव, प्रो. ऋषि बहल, प्रो. सत्यवती शर्मा, प्रो. अनुश्री मलिक, डा. विक्रांत त्यागी, डा. विवेक कुमार, डा. एमजी रघुनाथन व देशभर के राज्यों और केंद्रीय विवि से विद्वान आमंत्रित होंगे।

दुनियाभर से मिले 600 रिसर्च पेपर

संयोजक प्रो. आशा गुप्ता ने कहा कि सम्मेलन में विचार विमर्श किया जाएगा कि विज्ञान और प्रोद्योगिकी के माध्यम से पर्यावरण स्थिरता के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं। तकनीकी समिति को दुनिया भर में 600 से अधिक पत्र प्राप्त हुए। 21 तकनीकी सत्रों, 4 पोस्टर सत्रों और एक ऑनलाइन सत्र में तीन दिनों के दौरान आयोजित इस सम्मलन में नौ विषयों को समाहित किया जाएगा।

कृषि पैटर्न पर होगी चर्चा

संयोजक प्रो. नरसी आर बिश्नोई ने कहा कि हमारे पर्यावरण को खराब करके जलवायु परिवर्तन कैसे हमारे स्वास्थ्य और कृषि पैटर्न को नष्ट कर रहा है, सम्मेलन में इस पर चर्चा की जाएगी। यह सम्मेलन वैज्ञानिक सोच के प्रसार के लिए सहायक होगा। सम्मेलन में एक पोस्टर प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी।

जाट कॉलेज बना कबड्डी चैंपियन

हिसार। गुजवि की इंटर कॉलेज सर्कल स्टाइल कबड्डी प्रतियोगिता के पुरुष व महिला वर्ग में जाट कॉलेज की टीम चैंपियन बनी। जाट कॉलेज में आयोजित प्रतियोगिता के समापन समारोह में जाट कॉलेज के प्राचार्य आरएस गोयत और प्रहलाद सिंह घणघस ने विजेता टीमों को पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि खेलों को खेल भावना से खेलना चाहिए। विद्यार्थी पढ़ाई के साथ खेलों में भाग लें, अब स्पोर्टस में भी अच्छा करियर बनाया जा सकता है। जाट कॉलेज के खेल प्रभारी डा. महेश खर्ब ने बताया कि इंटर कॉलेज कबड्डी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में डीएन कॉलेज और महिला वर्ग में राजकीय महिला कॉलेज की टीम रनर अप रही। वहीं पुरुष वर्ग में राजकीय कॉलेज आदमपुर की टीम तृतीय स्थान पर रही। महिला वर्ग में राजकीय कॉलेज हिसार की टीम तृतीय स्थान पर रही। उन्होंने बताया कि गुजवि के अंडर आने वाले कॉलेजों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया था। इंटर कॉलेज के दोनों वर्गों में जाट कॉलेज विजेता रहा है। विजेता खिलाड़ियों को कॉलेज प्रशासन की तरफ से बधाई दी गई। इस अवसर पर प्राचार्य आरएस गोयत, करण सिंह दलाल, बलविंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह, सुशील कुमार और चरण सिंह उपस्थित थे।

हरिभूमि - 17/2/19

गुजवि में युवाओं से नशा मुक्त भारत अभियान से जुड़ने का किया आह्वान

ता, हिसार : नशा
गिरफ्त में लिए हुए
ीजों स्वास्थ्य-शिक्षा
दूर किया जा सकता
को साथ चलने की।
मजबूती से लागू कर
भाग जाएगा। यह सब
आयोजित नशामुक्त
के दौरान आए श्रीश्री
मंत्री मनोहर लाल
समाज से नशे को
हुए युवाओं को कई

से शुरू हुआ यह
को नशे से दूर करने
ओं को शपथ दिलवाते
कि वह नशे को अपने
यदि कोई युवाओं की
बोल रहा है उसके बारे
बताए। इस सहयोग से
रोबार को खत्म किया

**पर आए श्रीश्री
ख्यमंत्री :** 11 बजकर
पर पहुंच गए थे श्रीश्री
ख्यमंत्री मंच पर पहुंचे।
ाने के बाद 300 फीट
र लोगों का अभिवादन
तीन मिनट तक श्रीश्री
मुख्यमंत्री रैंप पर रहे।
ने उनसे बातचीत की।
यमंत्री ने अपने सुरक्षा
पहले ही रोक दिया।
ी रविशंकर के साथ
ाद में गुजवि कुलपति
ार भी शामिल हो गए।
ी रविशंकर का भाषण
र उनकी तरफ से लोगों
पर गए।

**हमले के सैनिकों
ांजलि :** पुलवामा
फिले पर हुए हमले
को नशा मुक्त
ी मिनट

कार्यक्रम में श्री श्री रविशंकर को सम्मानित करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल और कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार। • जागरण

कार्यक्रम में आने वाले युवाओं की चेकिंग करते पुलिसकर्मी। • जागरण

07 हजार कालेजों में दिखाया कार्यक्रम

300 फीट लंबा बनाया गया था रैंप

01 करोड़ युवाओं ने लिया नशे से दूर रहने का संकल्प

11 बजकर 48 मिनट पर पहुंचे थे श्रीश्री रविशंकर और सीएम

लंबा-चौड़ा था मैदान और नहीं चलीं तीन स्क्रीन

कार्यक्रम का मैदान लंबा चौड़ा होने के कारण युवाओं को मंच व कार्यक्रम दिखाने के लिए आठ स्क्रीन लगाई गई थी। इसमें दो स्क्रीन मंच पर थी और बाकी छह मैदान में लगाई थी। मैदान में लगी तीन स्क्रीन नहीं चलने के कारण लोगों को कार्यक्रम देखने में काफी परेशानी हुई।

जब शुरू हुए देशभक्ति गीत

श्रीश्री रविशंकर और मुख्यमंत्री के आगमन से पहले युवाओं व लोगों का मनोरंजन करने के लिए कलाकार पहुंचे थे। इसमें कलाकार नीतिन ने देशभक्ति गीतों से माहौल को खुशनुमा बना दिया। उनके गीतों पर युवा जमकर झूमे। नीतिन की तरफ से सुनो गौर से दुनिया वालों, बुरी नजर ना हम पर डालो, मेरा मुलक मेरा देश, मेरा ये वत्न, रघु पति राघव राजा राम, पति के पावन सीता राम गीत सुनाए। रघु पति राघव राजा राम गीत के समय ही मुख्य अतिथि पहुंचे।

देशभर के कालेजों को वेब कास्टिंग से जोड़ा

- नशे से बिगड़ती है स्थिति, स्वास्थ्य पर पड़ता है दुष्प्रभाव, चेहरा भी उतर जाता है।
- शिक्षण संस्थाओं में युवाओं को करें जागरूक, अभियान से जुड़ करें नशे का विरोध।
- सभी मिलकर करें सैर, नशा मुक्त भारत का लगाए नारा, फिर होगी एक क्रांति
- बीमारी से ग्रस्त हो रहे युवा, शारीरिक-मानसिक रूप से हो रहा परेशान। यदि कोई नशे का आदि होता है समाज उसको अच्छा नहीं समझता।
- शिक्षण संस्थाओं में बदले माहौल, युवाओं को सिखाएं पाठ।
- परिवार के साथ एनजीओ, संस्थाएं रखे ध्यान, युवाओं को करें नशे से दूर। सरकार भी कर रही काम

मंच के साथ बनाए थे सेल्फी प्वाइंट

युवाओं को अभियान से जोड़ने और श्रीश्री रविशंकर के साथ सेल्फी लेने के लिए अलग से प्वाइंट बनाए गए थे। मंच के साथ बने इन सेल्फी प्वाइंट पर युवा और मंच के साथ सेल्फी ली। लोग भीड़ के साथ सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे थे।

नहीं आए कपिल शर्मा, प्रशंसकों को मायूस होकर लौटना पड़ा

आर्ट ऑफ लिविंग की तरफ से शुरू किए गए नशा मुक्त भारत अभियान में हास्य कलाकार कपिल शर्मा नहीं पहुंचे। उनको देखने के लिए दूर-दूर से युवा हिसार पहुंचे थे। मगर कार्यक्रम शुरू होने तक जब कपिल शर्मा नहीं पहुंचे तो युवाओं को निराशा हुई। कपिल के नहीं आने उनके प्रशंसक मायूस होकर लौटने लगे। इस दौरान बॉलीवुड कलाकार वरूण शर्मा ने अपने डायलॉग से युवाओं को थामा तो अन्य कलाकारों ने भी उनका मनोरंजन किया। बाद में कपिल के नहीं आने से निराश युवा काफी वापस भी लौट गए।

राष्ट्रगान के दौरान मोबाइल को देखते नजर आए कुछ नेता

गुजवि में आयोजित नशा मुक्त भारत अभियान के समापन पर हुए राष्ट्रगान के दौरान आलम यह था कि कुछ भाजपा नेता सीधा खड़े होने के बजाय मोबाइल को देखते-छेड़ते नजर आए। मुख्यमंत्री सहित सभी नेता जहां सम्मान में खड़े थे वहीं उनकी पार्टी के कुछ नेता मोबाइल को छेड़ रहे थे।

जांच के बाद आने दिया अंदर

गुजवि के खेल मैदान में हुए अभियान की शुरूआत के दौरान चार गेट बनाए गए थे। हर गेट पर आने जाने वालों की चेकिंग की गई। उनको कार्ड दिखाने के बाद ही अंदर जाने दिया गया। ऑटो मार्केट में हर जगह पुलिस को तैनात किया गया था। गाड़ियों की पार्किंग की भी वहीं व्यवस्था थी। वहां से बिना पास के ही सभी को चेकिंग के बाद अंदर जाने दिया गया।

मंच से उठी नशा दूर करने की आवाज

मंच संचालन कर रहे आर्ट ऑफ लिविंग के वक्ताओं ने कहा कि श्री कृष्ण ने अर्जुन को किया हरियाणा की धरती पर पाठ देकर तैयार किया था। हरियाणा के युवा क्या उस

न नशा करूंगा न करने दूंगा

बॉलीवुड कलाकार वरूण शर्मा ने कहा कि नशा करना सही नहीं है। यदि कोई आपसे नशा करने के लिए कहता है तो वह आप का दुश्मन है। कोई कहता है तो कि आदत नहीं पड़ेगी तो वह गलत है। उन्होंने कहा

दैनिक जागरण - 20/2/19

'नशा मुक्त भारत' अभियान का आगाज, वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये युवाओं से रूबरू हुए पीएम

नशे के लिए आप जो पैसे देते हो, उसी से पलते हैं आतंकी, उनका साथ क्यों दें : मोदी

जागरण संवाददाता, हिसार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नशे से आतंकवादियों के हाथ मजबूत हो रहे हैं। जिस पैसे से नशा खरीदा जाता है, उस पैसे से आतंकवादी बम, बंदूक और गोली खरीदते हैं। उन्हीं हथियारों से वे हमारे सैनिकों को मारते हैं। नशा करके हम उनका साथ क्यों दें जो हमारे देश के लिए ही खतरा हैं।

प्रधानमंत्री मंगलवार को यहां गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय (गुजवि) में नशा मुक्त भारत अभियान के आगाज के अवसर पर देश के युवाओं को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये संदेश दे रहे थे। इस दौरान मंच पर आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर, मुख्यमंत्री मनोहर लाल सहित बॉलीवुड एक्टर और कई नेता मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि नशा करने वाला आर्थिक रूप से तबाह हो जाता है। साथ ही वह परिवार से भी दूर हो जाता है। उन्होंने कहा कि सीमाओं पर चल रहे नशे के व्यापार को खत्म करने के लिए केंद्र और राज्य की सरकारें काम कर रही हैं। उन्होंने युवाओं को सीख देते हुए कहा कि नशे से सामाजिक ताना-बाना भी खराब होता है। चोरी की आदत पड़ जाती है और युवा अपराध की गर्त में चले जाते हैं। इस मौके पर गुजवि की तरफ से मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने श्रीश्री रविशंकर को डाक्टरेट ऑफ साइंस की मानद उपाधि भी दी।

गुजवि में 'नशा मुक्त भारत' अभियान के दौरान लोगों का अभिवादन करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल व श्रीश्री रविशंकर। इनसेट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये युवाओं को संबोधित करते हुए।

नशे से मरने वालों की संख्या 60 फीसद तक बढ़ी

प्रधानमंत्री ने बताया कि विश्व में नशे के कारण तीन करोड़ लोग डिसऑर्डर का शिकार हो रहे हैं। यह खतरे की घंटी है। उनको उपचार की आवश्यकता है। मोदी ने कहा कि वर्ष 2015 तक देश में नशे से मरने वालों की संख्या में 60 फीसद तक की वृद्धि हुई है।

मोदी ने यह दिए टिप्स

- नशा करने वाले से परिवार के लोग बातचीत करते रहें, उसे अकेला न छोड़ें। नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करें।
- स्कूल-कालेज में जागरूकता शिविर चलाए जाएं।
- नई टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर नशा से दूर रहने का संदेश दिया जाए।
- काउंसिलिंग, हेल्प लाइन के नंबर का लोग इस्तेमाल कर लाभ उठाएं।
- सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को जागरूक करें।

जांबाजों की धरती हरियाणा-पंजाब अब नशे की समस्या से जूझ रही : श्रीश्री रविशंकर

आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर ने कहा कि नशा सामाजिक बुराई है। हरियाणा और पंजाब की धरती ने ऐसे युवा दिए हैं जो हमेशा देश की रक्षा के लिए तत्पर रहे हैं। आज ये दोनों प्रदेश नशे की समस्या से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि होश से ही इंसान को सुख मिलता है बेहोशी हमें दुख और दर्द देती है।

नशे के कारोबारी देशद्रोही : मनोहरलाल

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि नशे का व्यापार करने वाले आतंकवाद को बढ़ा रहे हैं। नशीले पदार्थों की खरीद ही नहीं होगी तो आतंकवादियों को भी पैसा नहीं मिलेगा। उनका मनोबल टूटेगा। इसलिए युवा नशे से दूर रहें।

संबंधित सामग्री >> जागरण सिटी

कार्यक्रम | प्रदेश के शिक्षण संस्थानों को नशा मुक्त बनाने को लेकर गुजवि में एजुकेटर मीट का आयोजन

युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए किया मंथन

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा के शिक्षण संस्थानों को नशा मुक्त करने के लिए गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में मंगलवार को एक एजुकेटर मीट का आयोजन किया गया। जिसमें नशे के खिलाफ एक व्यापक रणनीति बनाकर युवाओं के नशे से दूर रखने के लिए विचार मंथन हुआ। इस दौरान हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद और आर्ट ऑफ लिविंग की शाखा व्यक्ति विकास केंद्र के बीच एक मंगलवार को एक एमओयू यानी मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टेंडिंग हुआ, जिस पर प्रो. बीके कुठियाला ने हस्ताक्षर किए। इससे पहले हेमा पारिख ने नशामुक्त भारत अभियान के बारे में बताया। श्रीश्री इंस्टीच्यूट फॉर एंडवांस रिसर्च की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर दिव्या कांची भौतला ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। गुरु ग्राम के डीसीपी ट्रैफिक हिमांशु गर्ग ने भी संबोधित किया।

गुजवि में नशा मुक्त भारत अभियान के कार्यक्रम में उमड़ी भीड़।

शिक्षण संस्थान अपने परिसर को नशामुक्त बनाएं। शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों को सही दिशा दे सकते हैं। बुराई को बच्चों में न घुसने दें और जो बच्चे नशे की गिरफ्त में आ गए हैं, उन्हें बाहर निकालें। यह शिक्षकों का समाज में सबसे बड़ा योगदान होगा।
श्रीश्री रविशंकर।

युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए शिक्षण संस्थान अहम भूमिका निभा सकते हैं। युवाओं की शक्ति का उपयोग राष्ट्र निर्माण के लिए होना चाहिए। लेकिन नशा हमारे युवाओं के शरीर को कमजोर कर रहा है। हमें मिलकर इस बुराई को मिटाना होगा।
मनोहर लाल, मुख्यमंत्री हरियाणा।

कार्यक्रम में मौजूद बॉलीवुड एक्टर वरुण शर्मा।

दैनिक जागरण - 20/2/19

सिटी भास्कर
dainikbhaskar.com
दैनिक भास्कर, हिसार
गुरुवार 20 फरवरी, 2019
02

सबसे बड़ा नशा है खुशी तो चलो हंसते-खेलते जीते हैं

जीजेयू में ड्रग फ्री इंडिया कैंपेन के मंच से एक्टर वरुण शर्मा ने यूथ को किया मोटिवेट

सिटी रिपोर्टर • हरियाणा में पहली बार आऊं और मंच पर पहुंचू तो एक चीज के बिना इनकम्पलीट हो जाएगा वो यह है कि भाई मेरा एक सपना है, जब हमारा कॉलेज का पहला दिन होगा ना, दोनों भाई घोड़े पर जाएंगे कॉलेज, तू सफेद घोड़े पर और मैं काले पे, दोनों ने काला चश्मा, लम्बी चैन वाले जूते, लाल कमीज और काली पैंट पहनी होगी, भाई लड़कियां मर मिटेंगी हम दोनों पे... अपने फेमस डायलॉग से ऑडियंस से जमकर तालियां बटोरी और इसके साथ वरुण शर्मा शपथ लेते हैं कि ना मैं ड्रग लूंगा ना मैं करने दूंगा। यह मौका रहा जीजेयू में ड्रग फ्री इंडिया कार्यक्रम का। फुकरे रिटर्न, डौली की डोली, फ्राइडे, छिछोरे जैसी कई फिल्मों में वरुण अपने अभिनय की छाप छोड़ चुके हैं। जीजेयू के मंच से युवाओं को वरुण ने कहा कि जिंदगी में सबसे बड़ा नशा है खुशी से जीने का तो चलो हंसते-खेलते जीते हैं, परिवार के संग जीते हैं और हिंदुस्तान को ड्रग फ्री करते हैं। हालांकि युवाओं में वरुण को लेकर जोश रहा मगर कहीं न कहीं युवा कपिल शर्मा, कार्तिक आर्यन के न पहुंचने पर यंगस्टर्स काफी हताश नजर आए।

बचा ले मां जहर ना पीना चाहता हूं...

ना करूंगा खुद मैं ना करने दूंगा क्योंकि ये है मेरी कहानी बचा ले मुझे मां तेरे लाडले जैसा फिर से जीना चाहता हूं... इन पंक्तियों के साथ गायक पेरी जी ने नशामुक्त भारत अभियान का थीम सॉन्ग प्रजेंट किया। जिसमें उन्होंने एक कहानी के जरिए ड्रग की दुनिया से लौट कर दोबारा शुरुआत की गुहार लगाई।

गायक पेरी ने थीम सॉन्ग की प्रस्तुति दी

नीतिन डाबर के देशभक्ति गीत पर झूमे दर्शक।

से नो ड्रग्स की टी-शर्ट पहने यंगस्टर्स पूरे उत्साह में दिखे।

दैनिक भास्कर - 20/2/19

श्रीश्री रविशंकर और मुख्यमंत्री ने 20 हजार युवाओं के बीच किया ड्रग फ्री इंडिया अभियान का आगाज

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने नशे के कारोबार पर रोक लगाने के लिए युवाओं से मांगा सहयोग

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के खेल मैदान में मंगलवार को करीब 20 हजार युवाओं के बीच आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर और मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने ड्रग फ्री इंडिया अभियान का आगाज किया। युवाओं को न ड्रग्स करने और न ही करने देने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी वीडियो कांफ्रेंस से अपना संदेश दिया।

कार्यक्रम में हिसार के अलावा बरवाला व आसपास के अन्य क्षेत्रों से भी स्कूली विद्यार्थियों को भी बुलाया गया। इसी दौरान श्रीश्री रविशंकर को जीजेयू की ओर से डॉक्टरेट की मानद उपाधि दी गई। अभिनेता वरुण शर्मा व राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष बीके कुठियाला, जीजेयू कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार, कुलसचिव डॉ.अनिल पुंडीर भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम को महाविद्यालयों में लाइव दिखाया गया।

10 मार्च को ड्रग्स फ्री इंडिया के नारे के साथ होगी मॉर्निंग वॉक

श्रीश्री रविशंकर ने उपस्थित युवाओं से आह्वान किया कि ड्रग्स फ्री इंडिया अभियान के नाम 10 मार्च को मॉर्निंग वॉक की जाएगी। हर गांव से लेकर शहर में सुबह 7 बजे से लेकर 8 बजे तक देश को नशे से मुक्त करने के संकल्प के साथ दौड़ेंगे।

जीजेयू में ड्रग फ्री इंडिया अभियान शुरु करते श्रीश्री रविशंकर व मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

जीजेयू में आयोजित ड्रग फ्री इंडिया कार्यक्रम में उपस्थित युवा।

भगवान शिव ने तो जहर भी पिया था : श्रीश्री रविशंकर

श्रीश्री रविशंकर ने कहा कि नशे से कोई सुख नहीं मिलता बल्कि परिवार बर्बाद हो जाता है। नशा करने वाले बहाना बनाते हैं कि भगवान शिव भी भांग पीते थे। मगर भगवान शिव को भांग पीते हुए किसने देखा था। यह गलत धारणा है। भगवान शिव ने तो पहले जहर भी पिया था तो क्या हम जहर पीने लगेंगे। युवाओं को ड्रग्स का नशा करने की बजाय खुशी का नशा करना चाहिए। इससे वह खुद खुश रहेंगे और उनका परिवार भी खुश रहेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के प्रयासों में उनकी संस्था द्वारा की गई 30 साल की रिसर्च भी काम आएगी। यह अभियान कॉलेजों से लेकर स्कूलों तक में चलाकर विद्यार्थियों को शुरुआती समय में ही जागरूक करेंगे। वहीं मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रदेश में 61 नशामुक्ति केंद्र भी खोले हैं।

15 सालों में नशे से होने वाली मौतें 60 प्रतिशत बढ़ीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में कहा कि इस समय विश्व में करीब तीन करोड़ लोग नशे की चपेट में हैं। साल 2000 से लेकर 2015 तक नशे के कारण होने वाली मौतों में 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ड्रग्स लेने वाला व्यक्ति न केवल खुद को बल्कि अपने परिवार को भी जोखिम में डाल रहा है। एचआईवी तथा हेपेटाइटिस-सी जैसी बीमारियां उसे जकड़ लेती हैं। जिस पैसे से ड्रग्स खरीदी जाती है, उसी पैसे से हथियार, गोलियां, बम, बारूद और बंदूक खरीदे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने नशे के खिलाफ नेशनल एक्शन प्लान तैयार किया है। नशे की चपेट में आए युवाओं को शिक्षित करने, उनके उपचार व पुनर्वास की व्यवस्था करने की यह योजना है। इसे 2018 में लागू किया है। 2025 तक के लिए रणनीति तैयार की गई है।

कपिल शर्मा के लिए आई भीड़, मंच पर मिले वरुण शर्मा

इस कार्यक्रम के आयोजकों की ओर से पिछले एक सप्ताह से भी अधिक समय से प्रसिद्ध कॉमेडियन कपिल शर्मा के भी हिसार पहुंचने के दावे किए जा रहे थे। इसलिए युवाओं की भीड़ का एक बड़ा हिस्सा कपिल शर्मा को लाइव देखने के मकसद भी कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा। मगर कॉमेडियन कपिल शर्मा कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। हालांकि दिलवाले और फुकरे जैसी फिल्मों में बड़े पर्दे पर आ चुके अभिनेता वरुण शर्मा जरूर मंच पर मौजूद रहे। उन्होंने युवाओं को ड्रग्स से दूर रहने के लिए भी प्रेरित किया। वरुण शर्मा ने अपनी फिल्म फुकरे का एक डायलॉग भी युवाओं को सुनाकर खूब गुदगुदाया। हालांकि चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में सोमवार को हुए कार्यक्रम में कॉमेडियन कपिल शर्मा ने श्रीश्री रविशंकर के साथ मंच साझा किया था।

एमओयू साइन किया

हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद व व्यक्ति विकास केंद्र के बीच एक एमओयू भी हुआ, जिस पर प्रो. बीके कुठियाला ने हस्ताक्षर किए। इस मौके में हेमा पारिख द्वारा नशामुक्त भारत अभियान के बारे में बताया गया और श्रीश्री इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस रिसर्च की कार्यकारी निदेशक दिव्या कांची भोतला ने शोध पत्र प्रस्तुत किया। गुरुग्राम के डीसीपी ट्रैफिक हिमांशु गर्ग ने भी यहां संबोधन दिया। मंच संचालन प्रो. मनोज दयाल व धारा ने किया। इस मौके पर राज्यसभा सांसद डॉ. डीपी वत्स, हिसार के विधायक डॉ. कमल गुप्ता, प्रसिद्ध कलाकार महावीर जैन व विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर उपस्थित रहे।

अमर उजाला - 20/2/19

गुजवि में ड्रग-फ्री इंडिया कार्यक्रम, टेली-कॉनफ्रेंसिंग से बोले पीएम

ड्रग्स से होते हैं आतंकियों के हाथ मजबूत : मोदी

श्री श्री रविशंकर डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि से सम्मानित

कुमार मुकेश/हप
हिसार, 19 फरवरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ड्रग्स के सेवन से आतंकवादियों के हाथ मजबूत होते हैं। नारकोटिक्स ट्रेड को देशद्रोही व असामाजिक तत्व नियंत्रित करते हैं जो ड्रग्स के व्यापार से मिलने वाले पैसे का प्रयोग हथियार व गोला-बारूद खरीदने में करते हैं। इनका इस्तेमाल हमारे सैनिकों को मारने के लिए किया जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह बात मंगलवार को गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर में आर्ट ऑफ लिविंग संस्था द्वारा आयोजित ड्रग-फ्री इंडिया अभियान कार्यक्रम को टेली-कॉनफ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कही।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की जबकि आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक व आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में अनेक फिल्मी हस्तियों के अलावा हजारों युवाओं ने भागीदारी की। गुरु जंभेश्वर विवि ने श्री श्री रविशंकर को डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि देकर सम्मानित किया।

प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे ड्रग्स के शिकार लोगों को अपराधी की तरह न देखते हुए उनके प्रति संवेदनशील रवैया अपनाएं और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ते हुए इन गुमराह युवाओं को सही रास्ता दिखाएं।

उन्होंने आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के श्रीश्री रविशंकर के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने इस दिशा में जो प्रयास किए हैं उन्हें समाज के सभी वर्गों का समर्थन मिल रहा है। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार विश्व के लगभग 3 करोड़ लोग ड्रग्स के सेवन से होने वाले डिसऑर्डर की चपेट में हैं। उन्होंने बताया कि भारत में 2010 के मुकाबले वर्ष 2015 में ड्रग्स से मरने वालों की संख्या में 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जो बहुत भयावह है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सरकार ने जनवरी 2018 में स्पेशल टास्क फोर्स बनाई है जिसके माध्यम से नशा कारोबारियों व बड़ी मात्रा में मादक पदार्थों को पकड़ा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से 61 नशा मुक्ति केंद्र खोले गए हैं जिनमें पिछले वर्ष 25 हजार युवाओं को नशे की बीमारी से मुक्ति दिलाई गई है। प्रदेश में अनेक एनजीओ व स्वयंसेवी संस्थाएं भी इस कार्य में लगी हुई हैं जिनका योगदान सराहनीय है। उन्होंने युवाओं से युवा जागेगा तो नशा भागेगा तथा ड्रग्स करुंगा न करने दूंगा के नारे भी लगवाए। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि श्री श्री रविशंकर को मानद उपाधि देकर आज विश्वविद्यालय परिवार गौरवांवित है। कार्यक्रम में बॉलीवुड कलाकार वरुण शर्मा ने भी युवाओं में जोश भरा और उन्हें नशे से होने वाले नुकसान बताते हुए इससे बचने का आह्वान किया।

हिसार में मंगलवार को लोगों का अभिवादन करते (बाएं से दाएं) अभिनेता वरुण शर्मा, मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर और आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर। -हप

जीवन का असली मजा होश में : रविशंकर

आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के संस्थापक श्री श्री रविशंकर ने कहा कि जीवन का असली मजा होश में है, बेहोशी में तो गलतियां ही होती हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब और हरियाणा के युवा इतने मजबूत होते थे कि वे पूरे देश की रक्षा करते थे लेकिन आज नशे ने उनकी हालत खराब कर दी है। उन्होंने कहा कि 10 मार्च को सुबह 7 से 8 बजे तक देश के हर शहर में सब मिलकर नशा मुक्ति मार्च निकालेंगे।

मंच संचालन प्रोफेसर मनोज दयाल ने किया। कार्यक्रम के दौरान 2 मिनट का मौन रखकर पुलवामा में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि भी दी गई। कार्यक्रम में हरियाणा ब्यूरो ऑफ पब्लिक इंटरप्राइजेज के चेयरमैन एवं विधायक डॉ. कमल गुप्ता, कॉन्फेड चेयरमैन कैप्टन भूपेंद्र, एडीजीपी ओपी सिंह, हरियाणा उच्चतर शिक्षा के चेयरमैन प्रो. बीके कुठियाला सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

दैनिक ट्रिब्यून - 20/2/19

PM appeals to youth to shun drugs

Says narcotics trade controlled by anti-national elements out to disrupt peace, harmony

DEEPENDER DESWAL
TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, FEBRUARY 19

Calling upon the youth to stay away from drugs and join the campaign against substance abuse, Prime Minister Narendra Modi on Tuesday said drug trade was helping strengthen the hands of terrorists.

"Those associated with drug abuse and its trade are helping the enemies of the country who are launching attacks on our security forces," the Prime Minister stated while launching the 'Drug-Free India' campaign via video-conferencing at a function organised in the Guru Jambheshwar University of Science and Technology here today.

The campaign has been initiated by The Art of Living founder Sri Sri Ravi Shankar in association with the Haryana Government and was telecast live in about 7,000 institutes of higher learning in the country.

In his address on the occasion, the PM said: "Narcotics trade is controlled by anti-social and anti-national elements which are bent upon destabilising peace and harmony in the country.

"Substance abuse is a psychological-sociological-medical problem. The World Health Organisation has stated that around three crore people are affected by the disorder due to drug abuse. The number of deaths due to drug abuse rose by 60% from 2000 to 2019, which is an alarming situation."

The PM said the Centre and the state government had taken steps to stop cross-border drug trade. "We have prepared a multipronged plan to tackle the menace of drug trade and drug abuse at the national level. The National Action Plan for Drug Demand Reduction (2018-25) includes schemes like preventive education and awareness, capacity building, focused intervention in vulnerable areas, and research and evaluation to curb the menace of drug abuse in states," the PM said.

"If any youth falls into the drug trap, the family, friends and society have a crucial role to get him out of the crisis and stand by him... The victims should not shy away from talking about the problem," he added.

On the occasion, CM Manohar Lal Khattar said the state government had opened 61 de-addiction centres and helped 25,000 youths get rid of drug abuse in five years. The Art of Living founder Sri Sri Ravi Shankar too urged the youth to opt for a healthy life and keep away from any kind of substance abuse.

Countrywide drive

- The Prime Minister on Tuesday launched the 'Drug-Free India' campaign via video-conferencing at a function organised in the Guru Jambheshwar University of Science and Technology in Hisar.
- The campaign has been initiated by The Art of Living founder Sri Sri Ravi Shankar in association with the Haryana Government and was telecast live in about 7,000 institutes of higher learning in the country.

Manohar Lal Khattar and Sri Sri Ravi Shankar at the launch.

The Tribune - 20/2/19

जीजेयू • 'क्लाइमेट चेंज टूवर्डस हेल्थ एंड एग्रीकल्चर सस्टेनेबिलिटी' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन

मोबाइल पर 20 मिनट से ज्यादा बात न करें, रेडिएशन का खतरा: प्रो. विनीता

भास्कर न्यूज | हिसार

हमें मोबाइल पर लगातार बीस मिनट से ज्यादा बात नहीं करनी चाहिए। जहां नेटवर्क कम हो वहां लाउडस्पीकर ऑन करके बात करनी चाहिए। नहीं तो मोबाइल रेडिएशन का शरीर पर विपरीत असर पड़ता है। यह जानकारी महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की प्रो. विनीता शुक्ला ने दी। वो जीजेयू में 'क्लाइमेट चेंज टूवर्डस हेल्थ एंड एग्रीकल्चर सस्टेनेबिलिटी' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पहुंची थीं।

उन्होंने बताया कि मोबाइल रेडिएशन का शरीर पर दुष्प्रभाव पड़ता है। 6 घंटे से अधिक इसके प्रयोग से शरीर की ब्लड सैल प्रभावित होती है। जीजेयू में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन बुधवार को सम्पन्न हो गया। तीसरे दिन सम्मेलन के विषय विशेषज्ञों ने पेनल डिस्कशन किया। प्रो. ऋषि कुमार बहल व प्रवीन कुमार ने पेनल के मध्यस्थ की भूमिका अदा की।

जानिए.... एक्सपर्ट्स ने हेल्थ, पर्यावरण, धरती और पानी को प्रदूषण से बचाने के लिए डिस्कशन किया

1. कनाडा के प्रो. डेविड एम ओलसन ने बताया कि माता-पिता का मानसिक तनाव होने वाले बच्चों पर भी बुरा असर डालता है। माता को गर्भावस्था के दौरान ज्यादा तनाव नहीं लेना चाहिए। मेडिटेशन करना चाहिए और संतुलित आहार लेना चाहिए। कनाडा के डॉ. एशले आइमोन ने बताया कि पर्यावरण बदलाव के कारण बच्चे कुपोषण का शिकार हो रहे हैं।

जीजेयू में क्लाइमेट चेंज टूवर्डस हेल्थ एंड एग्रीकल्चर सस्टेनेबिलिटी-2019' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन के दौरान साइंटिस्ट व प्रो. नरसी राम बिश्नोई व अन्य।

2. कनाडा के प्रो. गरलिंडे एएस मेटज ने 'ट्रांसजनरेशनल ट्रॉमा एज ए डिटरमिनेंट ऑफ डिजीज रिस्क एंड स्ट्रेस रजीलिएंस : अवर एनसिस्टर्स घोस्टस' विषय पर एपीजेनेटिक मोडिफिकेशन की मदद से तनाव को कम किया जा सकता है।

3. आईएईएस संस्था हरिद्वार से आए प्रो. बीएन पांडेय ने ग्लोबल कूलिंग के बारे में बताया। कहा कि समुद्री तरंग और वायु की दिशा में परिवर्तन होने से बहुत से क्षेत्र ठंडे होते जा रहे हैं। समुद्र का जलस्तर बढ़ा जा रहा है।

4. अवध विवि फैजाबाद के डॉ. आरएमएल ने धरती पर पर्यावरण प्रदूषण के बढ़ते दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला। कहा कि बदलते वातावरण के कारण धरती पर सूखा, बाढ़, तथा जीव-जंतुओं की जातियां लुप्त होती जा रही हैं।

5. डॉ. विक्रांत त्यागी ने बताया कि नमामि गंगे प्रोजेक्ट में रीवर फेडरल मैनेजमेंट से गंगा के किनारों पर प्रदूषण को कम करने में मदद मिली है। इस परियोजना से गंगा के किनारे भगदड़ से होने वाली मौतों की संख्या में भी कमी हुई है। यह अब तक की इस प्रकार की परियोजनाओं से बेहतर परियोजना है।

6. प्रो. रविन्द्र चिब्बर ने बताया कि बायो टेक्नीक का प्रयोग करके ऐसी फसलें तैयार करनी चाहिए। जिन पर बदलते मौसम का प्रभाव न पड़े। बहुत कम तापमान के कारण फसलों में होने वाले नुकसान को बायो टेक्निक के प्रयोग से कम किया जा सकता है। इससे वातावरण में बदलाव के कारण होने वाले प्रदूषण को भी कम किया जा सकता है।

दिनांक भास्कर - 21/2/19

कार्यक्रम

जीजेयू में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन जारी, सम्मेलन के तीसरे विषय विशेषज्ञों द्वारा पैनल डिस्कशन हुआ

तनाव से बचने को गर्भावस्था के दौरान महिलाएं करें मेडिटेशन : प्रो. ओलसन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा क्लाइमेट चेंज टूवार्डस हेल्थ एंड एग्रीकल्चर सस्टेनेबिलिटी-2019 विषय पर जारी तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन बुधवार को संपन्न हुआ। समापन समारोह में प्रो. रविंद्रा चिब्बर मुख्यातिथि, जबकि कनाडा के प्रो. डेविड एम ओलसन विशिष्ट अतिथि रहे। सम्मेलन के तीसरे विषय विशेषज्ञों द्वारा पेनल डिस्कशन हुआ। प्रो. ऋषि कुमार बहल व प्रवीन कुमार ने पेनल के मध्यस्थ की भूमिका निभाई।

प्रो. रविंद्रा चिब्बर ने बताया कि बॉयोटेक्निक का प्रयोग करके ऐसी फसलें तैयार करनी चाहिए, जिन पर बदलते मौसम का प्रभाव न पड़े। बहुत कम तापमान के कारण फसलों में होने वाले नुकसान को बॉयोटेक्निक के प्रयोग से कम किया जा सकता है। इससे वातावरण में बदलाव के कारण होने वाले प्रदूषण को भी कम कर सकते हैं। साथ ही खाद्य सुरक्षा की ओर यह एक सराहनीय कदम है। कनाडा के प्रो. डेविड एम ओलसन ने बताया कि माता-पिता का मानसिक तनावग्रस्त का होने वाले बच्चों पर भी बुरा असर डालता है। माता को गर्भावस्था के दौरान ज्यादा तनाव नहीं लेना चाहिए। उन्हें मेडिटेशन करना चाहिए और संतुलित आहार लेना चाहिए। कनाडा के डॉ. एशले आइमोन ने पर्यावरण बदलाव के कारण कुपोषण के शिकार हुए बच्चों के बारे में चर्चा की। उन्होंने बताया कि संवेदनशील बच्चों को कुपोषण से किस प्रकार बचाया जा सकता है। कनाडा के प्रो. गरलिंडे एएस मेटज ने ट्रांसजनरेशनल ट्रॉमा एज ए डिटरमिनेंट ऑफ डिजीज रिस्क एंड स्ट्रेस रजीलिएंस : अवर एनसिस्टर्स घोस्टस विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि एपीजेनेटिक मोडिफिकेशन की मदद से तनाव को कम किया जा सकता है।

जीजेयू में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में उपस्थित विषय विशेषज्ञ। - अमर उजाला

20 मिनट से ज्यादा मोबाइल पर बात नहीं करें : शुक्ला

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक की प्रो. विनीता शुक्ला ने मोबाइल रेडिएशन के प्रभाव के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि छह घंटे से ज्यादा मोबाइल का प्रयोग वंशानुगत दुष्परिणाम हो सकते हैं। हमें लगातार 20 मिनट से ज्यादा बात नहीं करनी चाहिए व जहां नेटवर्क कम हो वहां लाउडस्पीकर ऑन करके बात करनी चाहिए। आईएईएस संस्था हरिद्वार से आए प्रो. बीएन पांडेय ने ग्लोबल कूलिंग के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि समुद्री तरंग और वायु की दिशा में परिवर्तन होने से बहुत से क्षेत्र ठंडे होते जा रहे हैं। समुद्र का जलस्तर बढ़ता जा रहा है। इससे समुद्र के तट के निकटतम देश खतरे के निशान पर हैं।

इससे इस बीमारी से बचा जा सकता है। विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर सीपी कौशिक ने बदलते पर्यावरण व कृषि अस्पष्टता पर व्याख्यान दिया।

दिनांक अमर उजाला 21/2/19

जीजेयू में हेलो टॉपर्स एप से 108 स्टूडेंट्स ने दिया एप्टीट्यूड टेस्ट

प्रतियोगिता में बीटेक सीएसई के दिव्यांश मित्तल को प्रथम, पराग भयाना को मिला दूसरा स्थान

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में एप के जरिये टेस्ट देने वाले स्टूडेंट्स के साथ प्लेसमेंट सैल के अधिकारी।

जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल ने मासिक प्रतियोगिता कार्यक्रम में विद्यार्थियों के एप्टीट्यूड व संचार कौशल में सुधार के लिए दो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। हेलो टॉपर्स एप्लीकेशन की मदद से विद्यार्थियों के मोबाइल पर ही जीजेयू के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के सेमिनार-1 में विद्यार्थियों का एप्टीट्यूड टेस्ट लिया गया। प्रतियोगिता में विवि के लगभग सभी विभागों के 108 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

इस प्रतियोगिता में बीटेक सीएसई के दिव्यांश मित्तल को प्रथम, पराग भयाना को द्वितीय तथा प्रीत यादव को तृतीय पुरस्कार दिया गया। रेनू शर्मा व दिव्याक्षी शर्मा को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। इसके बाद एक समूह प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें तीन-तीन विद्यार्थियों की टीमों ने रिनोवेटिंग माइंड, द पावर ऑफ सबकांशियस माइंड, ड्रग एडिक्शन व ड्रग एब्यूज, ईवेटीजिंग तथा अंग दान में सुधार जैसे विभिन्न विषयों पर भाषण दिए। प्रतियोगिता में 15 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस की प्रो. शबनम सक्सेना, भौतिकी विभाग के विनय प्रताप सिंह व ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने निर्णायक मंडल की भूमिका अदा की। कार्यक्रम में फैकल्टी ऑफ फिजिकल साइंसिज के अधिष्ठाता प्रो. देवेंद्र मोहन मुख्यातिथि थे। प्रो. देवेंद्र मोहन ने इस अवसर पर प्रतिभागी विद्यार्थियों से विचार साझा किए तथा कहा कि विद्यार्थियों को इस प्रकार के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़ कर भाग लेना चाहिए।

बीपीटी की सृष्टि, सीएसई की रेनू शर्मा व भागूप्रिया सिंह को प्रथम, ईसीई के तुषार नरवाल, एमई के मनीष चहल व संगीता कोहाड़ को द्वितीय पुरस्कार दिया गया। सृष्टि टंडन को सर्वश्रेष्ठ वक्ता का अवॉर्ड मिला। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल में 11 सितम्बर 2017, स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक भाषण दिवस से मासिक प्रतियोगिता कार्यक्रम नियमित रूप से चल रहा है। कार्यक्रम में भारी संख्या में विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं।

दैनिक भास्कर - 23/2/19

कंपलीट ग्राफ आइसोनिज्म सॉफ्टवेयर चेहरा, चाल व आवाज की करेगा पहचान, अपराधियों को पकड़ने में भी मिलेगी मदद

डॉ. महेश ने रिसर्च की सांझा, तकनीक से एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन सहित बैंकों में आपराधिक वारदात रोकने में मिलेगी मदद

सुभाष चंद्र | हिसार

कंपलीट ग्राफ आइसोनिज्म सॉफ्टवेयर से कैमरे से किसी व्यक्ति को चेहरे से ही नहीं उसकी चाल और आवाज से भी ट्रैक किया जा सकता है। इससे टेक्नोलॉजी से जहां आपराधिक घटनाओं को रोका जा सकता है। वहीं आपराधिक गतिविधियों को भी रोका जा सकता है। वहीं किसी व्यक्ति को 10 साल के अंतराल के बाद आसानी से पहचाना जा सकता है। यह जानकारी जीजेयू में पंजाब की सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब से उपस्थित हुए साइंटिस्ट डॉ. महेश कुल्हड़िया ने दी। वह जीजेयू के बायो एंड नैनो टेक्नोलॉजी विभाग के 'कम्प्यूटेशनल सिस्टम बायोलॉजी एंड बायोइंफोमेटिक्स' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में उपस्थित हुए थे।

डा. महेश कुल्हड़िया।

उनके साथ बंगाल से रिसर्च स्कॉलर सूची, राजस्थान से सौरव, पंजाब से विक्की तोमर व प्रो. सुरेंद्र सिंह खुराना ने रिसर्च पर काम किया है। 2016 में शुरू हुई रिसर्च कुछ समय पहले ही कंपलीट की है। यह सॉफ्टवेयर की व्यक्ति की पहचान करने में जहां सहायक है, वहीं खगोलीय स्टडीज में भी मददगार साबित हो सकता है।

सॉफ्टवेयर इस तरह करता है काम

डॉ. महेश ने बताया कि इस सॉफ्टवेयर से कैमरे को अटैच किया जाता है। सॉफ्टवेयर चेहरे को छोटे-छोटे ट्राय-एंगल्स में बांट देते हैं, इन ट्रायएंगल में बचपन से लेकर बुढ़ापे तक कोई चेंज नहीं आता। सॉफ्टवेयर के जरिये चेहरे को सामने व दोनों साइड के एंगल को ट्रैक किया जाता है। किसी व्यक्ति का डेटा फीड करके कैमरा उसके आने पर उसे दूर से ही पहचान लेता है। उसके चलने के तरीके से भी ट्रैक कर सकते हैं।

ऐसे होगी पहचान, आंखों से आंखों की दूरी का अनुपात रहता है एक जैसा

डॉ. महेश ने बताया कि किसी व्यक्ति को ट्रैक करने के लिए या उसकी इमेज पहचानने के लिए चेहरे के एंगल को ट्रैक करता है। हमारी आंखों की दूरी व नाक की आंखों से दूरी का अनुपात बचपन से लेकर बुढ़ापे तक एक जैसा रहता है। इसी आधार पर यह सॉफ्टवेयर चेहरे में बदलाव आने पर भी उसे पहचान लेता है।

किन कार्यों में कर सकते हैं यूज

1. सॉफ्टवेयर के जरिये इमेज की 10 सालों बाद भी मैचिंग की जा सकती है।
2. बैंकिंग में भी इसका प्रयोग कर सकते हैं।
3. आकाशगंगाओं को भी आसानी से पहचाना जा सकता है।
4. एयरपोर्ट सहित अन्य भीड़ वाली जगहों पर इसे प्रयोग किया जा सकता है।

मॉलिक्यूलर यूनिक सॉफ्टवेयर से दवाओं में रोक सकते हैं हानिकारक रसायनों का प्रयोग : डॉ. महेश

हिसार। मंकीजी (मॉलिक्यूलर यूनिक सॉफ्टवेयर) के जरिये दवाओं में हानिकारक रसायनों की पहचान की जा सकती है। यह जानकारी पंजाब सेंट्रल यूनिवर्सिटी से जीजेयू के बायो एंड नैनो टेक्नोलॉजी विभाग की तरफ से आयोजित 'कम्प्यूटेशनल सिस्टम बायोलॉजी एंड बायोइंफोमेटिक्स' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में डॉ. महेश कुल्हड़िया ने दी। उन्होंने बताया कि मंकीजी नाम से एक सॉफ्टवेयर बनाया है जिसमें 1200 करोड़ रसायन के नाम को कन्वर्ट करके डेटा फीड किया है। यह रसायनों की एकदम सटीक तरीके से पहचान कर सकता है। जिससे दवाओं सहित अन्य प्रोडक्ट में यूज होने वाले हानिकारक रसायनों की पहचान कर सकता है, जिससे मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को रोका जा सकता है। डॉ. महेश ने बताया कि उन्होंने एक ड्रग डिजाइन किया है, जिसे कैंसर जैसी घातक बीमारियों में भी प्रयोग कर सकते हैं। प्रो. केसी बंसल ने 'फंक्शनल चारक्टेरीजशनल ऑफ गेन्स एंड प्रोमोटर्स' विषय बताया कि क्रिसपर तकनीक से गेहूं व चावल की किस्मों की गुणवत्ता को उन्नत किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि क्रिसपर तकनीक में फसलों की जीन पर काम किया जाता है, जिसमें अधिक पैदावार देने वाली किस्मों कम पैदावार वाली किस्मों से मिलाकर एक उन्नत किस्म का विकास किया जाता है।

दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य वक्ता प्रो. केसी बंसल को स्मृति चिह्न भेंट कर कुलपति प्रो. टंकेश्वर।

सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में सरस्वती वन्दना प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

शोध समाज के हित के लिए होना चाहिए : प्रो. टंकेश्वर

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कार्यशाला का विषय अत्यंत उपयोगी व समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि फिलहाल शोधार्थी केवल एक विषय में श्रेष्ठ नहीं होना चाहिए, बल्कि अन्य सम्बन्धित विषयों में भी श्रेष्ठता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर शोध समाज के हित का होना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि पहले 200-300 वॉट के बल्बों का प्रयोग होता था आज तकनीक इतनी विकसित हो गई है कि 5 वॉट का बल्ब 200-300 वॉट के बल्ब से भी ज्यादा रोशनी दे रहा है। इसी प्रकार वैज्ञानिकों को ऐसा शोध करना चाहिए कि कम भोजन से ज्यादा ऊर्जा कैसे मिले। उन्होंने कहा कि फसलों को ऐसे विकसित किया जाना चाहिए ताकि कम लागत से अधिक गुणवत्ता वाली फसलें तैयार की जा सकें, साथ ही भूमि की उर्वरता भी कम ना हो।

200 प्रतिभागी पहुंचे

डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि सम्मेलन में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 200 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। न केवल भारत से बल्कि अन्य देशों से भी विषय विशेषज्ञ प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे। कार्यशाला में जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, मेटाबॉलिकमिक्स और ट्रांसक्रिप्टोमिक्स विषय पर बायोइंफोमेटिक्स की उपयोगिता पर हैंड्स ऑन ट्रेनिंग दी जाएगी।

दैनिक भास्कर - 26/2/19

गुजवि के इंटरनल एग्जाम के टॉपर विद्यार्थी होंगे सम्मानित

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में विभिन्न विभागों में आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में टॉप करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को मूल्यांकन परीक्षा (सेशनल) के प्रति गंभीर बनाने के उद्देश्य से विद्यार्थियों को सम्मानित करने का जा रहा है। प्रशासन के अनुसार प्रत्येक विभाग के प्रत्येक कक्षा के टॉपर को सम्मानित किया जाएगा। ऐसे विद्यार्थियों की संख्या 125 है। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह ऑडिटोरियम में 6 मार्च को आयोजित होगा।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डा. यशपाल सिंगला ने बताया कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की हर समेस्टर में इंटरनल परीक्षाएं होती हैं। इस परीक्षा का मकसद होता है कि विद्यार्थी ने जितनी पढ़ाई की है, वो उसका आंकलन कर सके। देखने में आता है कि अधिकांश विद्यार्थी इस परीक्षा को लेकर गंभीर नहीं होते। वे केवल पास होने के विचार से ही यह परीक्षा दे देते हैं। जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। विद्यार्थी अधिक से अधिक पढ़ाई करें और इंटरनल एग्जाम की तैयारी करें, ताकि फाइनल परीक्षा में बेहतर कर सकें। हमने इसके लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए इंटरनल परीक्षा के टॉपर विद्यार्थियों को सम्मानित करने का फैसला लिया था।

विश्वविद्यालय में इंटरनल एग्जाम में टॉप रहने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर रहे हैं। 125 विद्यार्थी हैं, जिन्हें 6 मार्च को एक सम्मान समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

प्रो. यशपाल सिंगला, परीक्षा नियंत्रक, गुजवि।

दैनिक जागरण - 27/2/19

बीटेक सीएसई का दिव्यांश मित्तल रहा प्रथम

हरिभूमि ब्यूज ▸▸ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल में मासिक प्रतियोगिता कार्यक्रम में विद्यार्थियों के एप्टीट्यूड एवं संचार कौशल में सुधार के लिए दो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

हेलो टॉपर्स एप्लीकेशन की मदद से विद्यार्थियों के मोबाइल पर ही विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के सेमिनार-1 में विद्यार्थियों का एप्टीट्यूड टैस्ट लिया गया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के लगभग सभी विभागों के 108 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में बीटेक सीएसई के दिव्यांश मित्तल प्रथम, पराग ध्याना द्वितीय तथा प्रीत यादव को तृतीय पुरस्कार दिया गया। रेनू शर्मा तथा दिव्याक्षी शर्मा को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। इसके बाद एक समूह प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में तीन-तीन विद्यार्थियों की टीमों ने रिनोवेटिंग माइंड, द पावर ऑफ सबकंशियस माइंड, ड्रग एडिक्शन व ड्रग एबयूज, ईव टीजिंग तथा अंगदान में सुधार जैसे विषयों पर भाषण दिए। इस प्रतियोगिता में 15 विद्यार्थियों ने भाग लिया। हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस की प्रो. शबनम सक्सेना, भौतिकी विभाग के बिनय प्रताप सिंह व ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने निर्णायक मंडल की भूमिका अदा की। कार्यक्रम में फैकल्टी ऑफ फिजिकल साइंसेज के अधिष्ठाता प्रो. देवेन्द्र मोहन मुख्यातिथि थे।

दैनिक जागरण - 23/2/19

गुजवि शुरू करेगा विवेकानंद पर सर्टिफिकेट कोर्स, ताकि शिक्षाओं से अच्छे नागरिक बनें

सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन विवेकानंद स्टडीज होगा कोर्स का नाम, दूरस्थ विभाग करेगा संचालित

संदीप बिश्नोई ● हिसार

वेदांत के विख्यात और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु स्वामी विवेकानंद की शिक्षाएं देश के युवाओं के लिए बेहद प्रेरणा दायक हैं। लोग यदि उनकी शिक्षाओं का अनुसरण करें तो बेहतर नागरिक बन सकते हैं। उनकी ऐसी शिक्षाओं को लोगों तक पहुंचाने के लिए गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय ने स्वामी विवेकानंद पर एक सर्टिफिकेट कोर्स शुरु करने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा विभाग द्वारा शुरु किए जाने वाले इस कोर्स का नाम सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन विवेकानंद स्टडीज होगा। इसके लिए विवि द्वारा बनाई गई तीन सदस्यीय कमेटी ने सिलेबस लगभग तैयार कर लिया है। इस छह माह के कोर्स की खास बात यह होगी कि इसका प्रेक्टिकल व्यावहारिक होगा। यानी विद्यार्थी को नेकी और भलाई के विभिन्न कार्य करते हुए स्वयं की 10 फोटो अपनी असाइनमेंट पर चिपकानी होगी। तभी उन्हें कोर्स का सर्टिफिकेट दिया जाएगा। हालांकि इस कोर्स के लिए अभी विस्तृत नियम बनाए जा रहे हैं। विवि की ओर से इसके लिए पंजाब यूनिवर्सिटी से डा. सुधीर बवेजा, गुजवि से डा. सुनैना ग्रोवर और दीपक कुमार की एक कमेटी बनाई गई है।

12वीं पास कोई भी व्यक्ति कर सकेगा यह कोर्स

इस कोर्स को कोई भी विद्यार्थी या नौकरीपेशा या अन्य लोग कर सकते हैं। इसके लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास रखी गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार इस कोर्स के लिए फीस अभी निर्धारित नहीं की गई, लेकिन इसकी फीस 2500 से 3500 रुपये के बीच रखी जा सकती है। दूरस्थ शिक्षा विभाग में मार्च के पहले हफ्ते से ही इस कोर्स में दाखिले लिए जा सकेंगे।

एक वर्कशॉप भी होगी, जिसमें विद्यार्थी अनुभव करेंगे साझा

सर्टिफिकेट कोर्स के दौरान अंत में विद्यार्थियों की एक वर्कशॉप का भी आयोजन किया जाएगा। जिसमें विशेषज्ञ स्वामी विवेकानंद के जीवन के बारे में बताया जाएगा। इस दौरान विद्यार्थी भी अपने सेवा कार्यों और भावों को विशेषज्ञों के साथ साझा कर सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार इस सर्टिफिकेट कोर्स में स्वामी विवेकानंद के जीवन परिचय के साथ उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस से मिलन, भारत भ्रमण, विदेश यात्राएं, शिकागो स्पीच, छुआछुत के खिलाफ आदि को शामिल किया गया है।

आज भी स्वामी विवेकानंद के विचारों का युवाओं और आमजन पर खासा प्रभाव है। करोड़ों युवा आज भी विवेकानंद को अपना आदर्श मानते हैं। उनके विचार लोगों की सोच और व्यक्तित्व को बदलने में सहायक हैं। अधिक से अधिक युवा इस देश के बेहतर नागरिक बनें, इसीलिए हम विवेकानंद सर्टिफिकेट कोर्स शुरु कर रहे हैं।

प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, गुजवि।

दैनिक जागरण - 28/2/19